दैनिक
बढ़ता राजस्थान
संस्करण:टोंक,जयपुर, अलवर एवं कोटा
• Since : 2004 /// कदम बढ़ाएं, सच के साथ ///
वर्ष : 12 | अंक : 177 | टोंक | मंगलवार,25 फरवरी, 2025 | फाल्गुन, कृष्ण पक्ष द्वादशी संवत्-2081 | भारत सरकार से विज्ञापनों के लिए स्वीकृत | मूल्य :₹ 4.00 | पृष्ठ : 08
www.badhatarajasthan.in badhatarajasthan@yahoo.com badhatarajasthan.dainik badtarajasthan

मौसम जयपुर

28.0° अधिकतम तापमान | 17.0° न्यूनतम तापमान

बाजार शेयर बाजार

सेंसेंक्स | 74,454.41
-856.66 (1.14%)

निफ्टी | 22,552.50
-243.40 (1.07%)

सर्राफा सोना/चांदी

सोना | 88,860 /10g

चांदी | 1,01,000 /Kg

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली आ रही अमेरिकी फ्लाइट में बम की धमकी फर्जी

रोम डायवर्ट हुई थी फ्लाइट, आज दिल्ली के लिए रवाना होगी; 214 लोग सवार थे

बढ़ता राजस्थान

रोम (एजेंसी)। न्यूयॉर्क से दिल्ली आ रही अमेरिकन एयरलाइंस की फ्लाइट में बम होने की धमकी फर्जी निकली। रविवार को फ्लाइट 292 में बम की खबर मिलने के बाद उसे रोम की ओर डायवर्ट कर दिया गया था। फ्लाइट में 199 यात्री और 15 क्रू मेंबर मौजूद थे। रविवार को जांच के बाद उसे फिर से उड़ान भरने की अनुमति दे दी गई। हालांकि, अभी फ्लाइट दिल्ली नहीं आएगी। एक दिन और उसे रोम के फ्यूमिसीनो एयरपोर्ट पर रोका जाएगा। दरअसल, एयरलाइंस ने सोमवार को कहा कि दिल्ली एयरपोर्ट के प्रोटोकॉल के मुताबिक उसे लैंड करने से पहले कहीं और जांच की जानी जरूरी है।

सीएम दफ्तर से भगत सिंह-अंबेडकर की तस्वीरें हटाई : आतिशी

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सीएम ऑफिस में बाबा साहेब अंबेडकर और शहीद भगत सिंह की तस्वीरों पर भाजपा और आप आमने-सामने आ गई है। नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने आरोप लगाया, भाजपा के सत्ता में आते ही सीएम ऑफिस से बाबा साहेब अंबेडकर और शहीद भगत सिंह की तस्वीरें हटा दीं। इसके कुछ घंटे बाद ही भाजपा ने सीएम ऑफिस की एक तस्वीर जारी की। कहा कि आप झूठ बोल रही है। सीएम ऑफिस में अंबेडकर और शहीद भगत सिंह की तस्वीरें लगी हैं। बस उनकी जगह बदली गई। इसे लेकर दिल्ली विधानसभा के सत्र के दौरान सोमवार को आप ने हंगामा भी किया।

जबलपुर में दो हादसों में 8 कुंभ यात्रियों की मौत

बढ़ता राजस्थान

जबलपुर (एजेंसी)। जबलपुर में दो घंटे में दो बड़े हादसे हो गए। इन हादसों में 8 लोगों की मौत हो गई। तीन लोग घायल हैं। सभी लोग प्रयागराज महाकुंभ से लौट रहे थे। पहला हादसा संजीवनी नगर में देर रात 2 बजे हुआ। तेज रफ्तार कार ट्रक में घुस गई। दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, एक महिला गंभीर घायल है। दूसरा हादसा खितौला के पहरेवा बायपास पर सोमवार सुबह 4 बजे हुआ। एक बेकाबू तूफान जीप पेड़ को तोड़ते हुए रॉन्ग साइड पर चली गई।

इंदिरा गांधी पर टिप्पणी

जयपुर में कांग्रेसी पुलिस से भिड़े

वाटर कैनन के दौरान सड़क पर गिरे; कई कार्यकर्ता पुलिस हिरासत में

कांग्रेस ने वैल में आकर हंगामा किया

विधानसभा में 21 फरवरी को प्रश्नकाल के दौरान सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत की इंदिरा गांधी पर की गई टिप्पणी पर कांग्रेस ने वैल में आकर हंगामा किया था। अविनाश गहलोत ने सवाल के जवाब में कहा था कि 2023-24 में आपकी दादी इंदिरा गांधी के नाम पर योजना का नाम रखा था।

6 कांग्रेस विधायकों को सस्पेंड किया

मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने कांग्रेस विधायकों के सस्पेंशन का प्रस्ताव रखा था। स्पीकर वासुदेव देवनानी ने गोविंद सिंह डोटासरा, उप नेता प्रतिपक्ष रामकेश मीणा, अमीन कागजी, जाकिर हुसैन गैसावत, हाकम अली खान और संजय कुमार को बजट सत्र की बची हुई अवधि के लिए निलंबित कर दिया था।

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी पर की गई विवादित टिप्पणी और 6 विधायकों के निलंबन के विरोध में सोमवार को जयपुर में तनावपूर्ण स्थिति रही। विधानसभा घेराव करने जा रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच जमकर धक्का-मुक्की हुई। 22 गोदाम सर्किल पर पुलिस ने बैरिकेड्स लगाकर मार्च को रोक दिया। बैरिकेडिंग के बीच बने मंच से कांग्रेस नेताओं ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। भीड़ को उग्र होता देख पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को बैरिकेडिंग से खदेड़ा और कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया। फिलहाल प्रदर्शन खत्म हो गया है। स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है।

दिनभर में कार्यवाही 4 बार स्थगित करनी पड़ी

संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने कहा था कि दादी सम्मानित शब्द है। पटेल बोल रहे थे इसी दौरान हंगामा बढ़ गया था। कांग्रेस विधायक स्पीकर की टेबल तक पहुंचने लगे थे। इसी दौरान स्पीकर ने सदन की कार्यवाही को आधे घंटे के लिए स्थगित कर दिया था। इस मुद्दे पर बने गतिरोध के कारण सदन की कार्यवाही 4 बार स्थगित हुई थी।

विधानसभा की कार्यवाही का कांग्रेस ने किया बायकॉट

सुरक्षाकर्मियों से भिड़े निलंबित विधायक; सदन में जाने की जिद पर अड़े; 4 दिन बाद धरना खत्म

जयपुर। विधानसभा में 4 दिनों से चल रहा कांग्रेस विधायकों का धरना सोमवार को बिना किसी नतीजे के समाप्त हो गया। इंदिरा गांधी पर विवादित टिप्पणी के विरोध में प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस विधायकों ने बायकॉट की घोषणा की और सदन से बाहर निकल आए। कांग्रेस विधायक बायकॉट करके बाहर निकले तो निलंबित विधायक भी बाहर आए। कुछ देर बाद निलंबित विधायक हाकम अली, जाकिर हुसैन गैसावत, संजय जाटव दोबारा विधानसभा के अंदर जाना चाह रहे थे तो सुरक्षा कर्मियों ने नियमों का हवाला देकर उनको अंदर जाने से रोक दिया। इस दौरान उनकी सुरक्षाकर्मियों से तीखी नोंक-झोंक हुई। इससे पहले सदन में बजट पर बहस के दौरान मार्शलों की घेराबंदी में कार्यवाही चली, जबकि कांग्रेस विधायक वैल में नारेबाजी करते रहे। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने एक सदस्य पर सदन को हाईजैक करने का आरोप लगाया। गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने कहा- डोटासरा स्पीकर के चेंबर में हुई बात से मुकर गए। वे अपने वरिष्ठ सदस्यों की बात नहीं मान रहे।

सोमवार को स्पीकर वासुदेव देवनानी ने कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा समेत 6 विधायकों को सदन से बाहर जाने को कहा। हंगामे के चलते कई बार कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। देर शाम को विधानसभा की कार्यवाही कल तक के लिए स्थगित कर दी गई।

कांग्रेस विधायकों की बहाली अटकी

विधानसभा में गतिरोध नहीं टूटने के पीछे कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा की माफी न मांगने के अलावा एक और बड़ा कारण सामने आया है। जब गतिरोध समाप्त होने की स्थिति में था, तब डोटासरा ने माफी मांगने से इनकार कर दिया। स्पीकर ने सदन को आधे घंटे के लिए स्थगित कर दिया। मामला तब और बिगड़ गया जब स्थगन के दौरान डोटासरा ने स्पीकर के लिए अपशब्दों का प्रयोग किया। किसी विधायक ने इस टिप्पणी को रिकॉर्ड कर स्पीकर तक पहुंचा दिया। इस घटना से नाराज स्पीकर ने आधे घंटे बाद सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू की, लेकिन गतिरोध समाप्त किए बिना ही आगे की कार्यवाही चलाने का निर्णय लिया। इस फैसले से निलंबित कांग्रेस विधायकों की बहाली अटक गई।

मासूम प्रहलाद ने गड्ढे में तोड़ा दम, 13 से 14 घंटे की मशक्कत के बाद निकाला गया मासूम का शव

क्षेत्र में फैली शोक की लहर, पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों को सोपा

बढ़ता राजस्थान

झालावाड़ (नि.स.)। झालावाड़ जिले के डग थाना क्षेत्र के पाड़ला गांव में रविवार दोपहर बोरवेल में गिरे 5 वर्षीय बालक की रेस्क्यू अभियान के दौरान ही सोमवार सुबह 3.40 पर मृत्यु हो गई।जिसके शव को रेस्क्यू टीम द्वारा बाहर निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए एंबुलेंस से डग अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। शव का पोस्टमार्टम करवा कर शव परीजनों को सोप दिया। हरनावदा सरपंच ईश्वर सिंह ने बताया कि प्रशासन द्वारा पूरी रात बालक के रेस्क्यू के प्रयास किए गए। बालक को 13 से 14 घंटे कि मशक्कत के बाद बालक को बाहर निकाला गया। बालक ने अलसुबह दम तोड़ दिया। जहां इस दौरान मौके पर जिला कलेक्टर अजय सिंह राठौड़, जिला पुलिस अधीक्षक ऋचा तोमर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चिरंजी लाल मीणा, गंगधार उपखंड अधिकारी छत्रपाल चौधरी,भवानीमंडी पुलिस उपाधीक्षक प्रेमकुमार ,भवानी मंडी उपखंड अधिकारी श्रद्धा गोमे, गंगधार पुलिस उपाधीक्षक जयप्रकाश

अटल, डग थाना अधिकारी पवन मीणा, एनडीआरएफ व एसडीआरएफ की रेस्क्यू टीम सहित प्रशासनिक अधिकारी व कर्मचारी व विधायक कालूराम मेघवाल व बड़ी संख्या में ग्रामीण पूरी रात बालक के रेस्क्यू के लिए जुटे रहे।

आपको बता दे की रविवार दोपहर एक 5 वर्षीय मासूम प्रहलाद 250 फीट गहरे बोरवेल के गड्ढे में गिर गया था। मासुम बोरवेल में 30 फीट गहराई में फंसा था ।घटना का पता लगने पर परिजनों में चीख पुकार मंच गई। ग्रामीणों की सूचना पर डग से पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी व रेस्क्यू टीमें मौके पर पहुंची और बच्चे को बोरवेल के गहरे गड्ढे से निकालने के प्रयास शुरू कर दिए। पाडला गांव के कालूलाल बागरी का 5 वर्षीय बच्चा प्रहलाद खेत में खेल रहा था। परिजन पास ही खेत में फसल कटाई का काम कर रहे थे। खेल के दौरान बच्चे का पैर फिसल जाने से वह 250 फीट करीब बोरवेल के गड्ढे में गिर गया था।

सुप्रीम कोर्ट में बांग्लादेशी हिंदुओं की सुरक्षा से जुड़ी याचिका खारिज

कोर्ट बोला- दूसरे देश के आंतरिक मामलों पर टिप्पणी नहीं कर सकते

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की मांग करने वाली जनहित याचिका खारिज कर दी। सुनवाई चीफ जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की बेंच ने की। बेंच ने कहा, मामला भारत के विदेश नीति से जुड़ा है और भारत की न्यायपालिका इसमें हस्तक्षेप नहीं कर सकती है। किसी दूसरे देश के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं कर सकती। दरअसल, लुधियाना के व्यवसायी राजेश ढांडा ने याचिका दायर की थी।

श्री त्र्यबकेश्वरायनमः
श्रीक्षेत्र त्र्यंबकेश्वर के पुरोहित
श्री. उमेश यशवंत शिखरे
चि. श्रीहरी उमेश शिखरे
मातृ पितृ छाया, गाडगे महाराज धर्मशाला के सामने
पाटील गल्ली, त्र्यंबकेश्वरर, जि. नासिक
हमारे यहां कालसर्प शांति, नारायण-नागबली, त्रिपिंडी श्राद्ध अभिषेक, लघुरुद्र, जप अनुष्ठान ई. सभी और त्र्यंबकेश्वर में होने वाले सभी धार्मिक किये जाते है।
बारा ज्योतिर्लिंगोमेसे सबसे बड़ा त्र्यंबकेश्वर है।
यहीपे कुंभ का मेला लगता है। गोदावरी नदी का उगमस्थान, ब्रह्मगिरी, गंगाद्वार, निलपर्वत, निवृत्तीनाथ महाराज समाधी, कुशावर्त तीर्थ आदि धार्मिक स्थल दर्शनिय है।

70% रक्षा सामग्री खुद बना रहा भारत : राजनाथ

2029 तक 50 हजार करोड़ के निर्यात का लक्ष्य; आईआईटी मंडी में छात्रों को किया सम्मानित

बढ़ता राजस्थान

मंडी (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के मंडी आईआईटी में सोमवार को केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत अब 70 प्रतिशत रक्षा सामग्री का निर्माण खुद कर रहा है। पहले 70 प्रतिशत सामग्री आयात करनी पड़ती थी। उन्होंने कहा, भारत ने अब रक्षा सामग्री का निर्यात शुरू कर दिया है।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2023-24 में 23 हजार करोड़ रुपए की रक्षा सामग्री का निर्यात की है। 2029 तक इसे बढ़ाकर 50 हजार करोड़ रुपए तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है।

राजनाथ ने कहा, आईआईटी मंडी पहले से ही डीआरडीओ के साथ मिलकर रक्षा क्षेत्र में काम कर रहा है। उन्होंने इस संस्थान के छात्रों से एआई तकनीक का उपयोग कर रक्षा क्षेत्र में नए अनुसंधान करने का आग्रह किया। उन्होंने आईआईटी की एक नई परिभाषा भी दी- इनिशिएट, इम्प्रूव और ट्रांस्फॉर्म। उन्होंने कहा, आज भारत की बात सुनने को पूरा विश्व आतुर रहता है। मोदी सरकार ने भारत को पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बनाकर इसे 2027 तक तीसरे स्थान की ओर अग्रसर कर दिया है।

भारत की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने को भारत अग्रसरः राजनाथ

राजनाथ सिंह ने भारत की आर्थिक प्रगति का जिक्र करते हुए कहा, भारत वर्तमान में दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और जल्द ही तीसरे स्थान पर पहुंचने की ओर अग्रसर है। उन्होंने छात्रों से कभी भी छोटे मन से कोई काम न करने की अपील की।

सम्पादकीय

कैसे बढ़े राष्ट्रीय उत्पादकता?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई बार दावा कर चुके हैं कि उनके तीसरे कार्यकाल में भारत दुनिया की तीसरी बड़ी इकोनॉमी बन जाएगा। फिलहाल भारत दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश है। वहीं अमरीका अभी भी पहले नंबर पर है, जिसकी अर्थव्यवस्था का साइज 26.7 ट्रिलियन डालर है। दूसरे नंबर पर चीन है और इसकी अर्थव्यवस्था का आकार 19.24 ट्रिलियन डालर है। तीसरे नंबर पर जापान 4.39 ट्रिलियन डालर के साथ मौजूद है। एक अनुमान के अनुसार भारत साल 2030 तक जापान को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बन जाएगा। यदि भारत 2025 तक 5 ट्रिलियन अमरीकी डालर की अर्थव्यवस्था हासिल करने की क्षमता रखता है तो उसके संकेत तभी मिलने शुरू होंगे जब हमारे देश की उत्पादकता में वृद्धि होगी। राष्ट्रीय उत्पादकता की जब भी बात होती है तो आम आदमी समझता है कि यह मामला उद्योग, कृषि, व्यापार व जनसेवाओं से जुड़ा है। हर व्यक्ति उत्पादकता बढ़ाने के लिए सरकार और उसकी नीतियों को जिम्मेदार मानता है। दूसरी तरफ जापान जैसा देश भी है, जिसने अपने इतने छोटे आकार के बावजूद आर्थिक वृद्धि के क्षेत्र में दुनिया को मात दी।सुनामी के बाद हुई तबाही को देखकर दुनिया को लगता था कि जापान अब कई वर्षों तक खड़ा नहीं हो पाएगा। पर देशभक्त जापानियों ने न सिर्फ बाहरी मदद लेने से मना कर दिया, बल्कि कुछ महीनों में ही देश फिर उठ खड़ा हो गया। वहां के मजदूर अगर अपने मालिक की नीतियों से नाखुश होते हैं तो काम-चोरी, निकम्मापन या हड़ताल नहीं करते। अपनी नाराजगी का प्रदर्शन, औसत से भी ज्यादा उत्पादन करके करते हैं। मसलन जूता फैक्ट्री के मजदूरों ने तय किया कि वे हड़ताल करेंगे, पर इसके लिए बैनर लगाकर धरने पर नहीं बैठे। पहले की तरह लगन से काम करते रहे। फर्क इतना था कि वे एक जोड़ी जूता बनाने की बजाय एक ही पैर का जूता बनाते चले गए। इससे उत्पादन भी नहीं रुका और मालिक तक उनकी नाराजगी भी पहुंच गई। जबकि हमारे देश में हर नागरिक समझता है कि कामचोरी और निकम्मापन उसका जन्मसिद्ध अधिकार है। दफ्तर में आए हो तो समय बर्बाद करो। कारखाने में हो तो बात-बात पर काम बंद कर दो। सरकारी विभागों में हो तो तनख्वाह को पैंशन मान लो। मतलब यह कि काम करने के प्रति लगन का सर्वथा अभाव है। इसीलिए हमारे यहां समस्याओं का अंबार लगता जा रहा है।

एक छोटा-सा उदाहरण अपने इर्द-गिर्द की सफाई का ही ले लीजिए। अगर नगर पालिका के सफाई कर्मचारी काम पर न आएं तो एक ही दिन में शहर नर्क बन जाता है। हमें शहर की छोड़ अपने घर के सामने की भी सफाई की चिन्ता नहीं होती। बिजली और पानी का अगर पैसा न देना हो तो उसे खुले दिल से बर्बाद किया जाता है। सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करना तो दूर उसे बर्बाद करने या चुराने में हमें महारत है। इसलिए सार्वजनिक स्थलों पर लगे खम्बे, बैंच, कूड़ेदान, बल्ब आदि लगते ही गायब हो जाते हैं। सीमांत प्रांतों में तस्करी करनी हो या अपने गांव-कस्बे, शहर में कालाबाजारी, अवैध धन कमाने में हमें फख्र महसूस होता है। पर सार्वजनिक जीवन में हम केवल सरकार को भ्रष्ट बताते हैं। अपने गिरेबां में नहीं झांकते। देश की उत्पादकता बढ़ती है उसके हर नागरिक की कार्यकुशलता से। पर अफसोस की बात यह है कि हम भारतीय होने का गर्व तो करते हैं, पर देश के प्रति अपने कर्त्तव्यों से निगाहें चुराते हैं। जितने अधिकार हमें प्रिय हैं, उतने ही कर्त्तव्य भी प्रिय होने चाहिएं। वैसे उत्पादकता का अर्थ केवल वस्तुओं और सेवा का उत्पादन ही नहीं, बल्कि उस आर्थिक, सामाजिक व्यवस्था से है, जिसमें हर नागरिक अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति सहजता से कर ले और उसके मन में संतोष और हर्ष का भाव हो। पुरानी कहावत है कि इस दुनिया में सबके लिए बहुत कुछ उपलब्ध है।

आज का इतिहास - बढ़ता राजस्थान

25 फरवरी की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

- अकबर के दरबारी कवि बीरबल 1586 में विद्रोही यूसुफजई के साथ एक लड़ाई में मारे गये।
- पिट्स रेग्यूलेट्री एक्ट 1788 में पारित किया गया।
- सैमुएल कॉल्ट ने कॉल्ट रिवॉल्वर के लिए 1836 में पेटेंट लिया।
- रूस ने जार्जिया की राजधानी तिब्लिसी पर 1921 में कब्जा किया।
- पूर्व सोवियत संघ और जापान के बीच 1925 में राजनयिक रिश्ते कायम हुये।
- जर्मनी पर 1945 में दूसरे विश्व युद्ध के दौरान टर्की ने युद्ध की घोषणा की।
- नार्वे की राजधानी ओस्लो में 1952 में छठे शीतकालीन ओलंपिक खेलों का समापन हुआ।
- 1962 में आम चुनाव में कांग्रेस पार्टी की जीत हुई।
- मारिया कोराजोन अकीनो के सन 1986 में फिलीपिंस की राष्ट्रपति बनने के साथ ही देश में तानाशाह फर्डिनांड मार्कोस का शासन भी खत्म हो गया।
- सतह से सतह तक मार करने वाली भारत की प्रथम मिसाइल पृथ्वी का 1988 में सफल प्रक्षेपण।
- खाड़ी युद्ध: इराक के एक मिसाइल ने 1991 में सउदी अरब स्थित लगभग 30 के करीब अमेरिकी सैनिकों को मार डाला था।
- भारत के साथ रूस की निचली संसद ड्यूमा द्वारा 2000 में द्विपक्षीय प्रत्यर्पण संधि का अनुमोदन।
- दीपा मेहता की फिल्म 'वाटर' को 2006 में 'गोल्डेन किन्नारी' पुरस्कार मिला।
- सेंचुरियन बैंक ऑफ पंजाब व एच.डी.एफ.सी. के विलय के लिए 2008 में शेयर अनुपात को मंजूरी दी गई।
- फिल्म 'नौ कंट्री फॉर ओल्ड मैन' को 2008 में 80वें आस्कर एकेडमी में वर्ष की सर्वश्रेष्ठ फिल्म चुना गया।
- आईपीएल टूर्नामेंट के निदेशक के रूप में 2009 में पूर्व सैन्य अधिकारी धीरज मल्होत्रा नियुक्त हुए।

25 फरवरी को हुए जन्म

- 1707 में प्रसिद्ध इतालवी नाटककार कार्लो गोल्दोनी का जन्म।
- 1894 में भारतीय धार्मिक नेता मेहर बाबा का जन्म।
- 1897 में भारत के प्रसिद्ध विद्वान, साहित्यकार और शिक्षा शास्त्री अमरनाथ झा का जन्म।
- 1925 में नाइजीरिया के राष्ट्रपति सेहु शगारी का जन्म।
- 1948 में भारतीय अभिनेता डैनी डैनज़ोंग्पा का जन्म।
- 1981 में भारतीय अभिनेता शाहिद कपूर का जन्म।

विशेष आलेख

महाकुंभ की ऐतिहासिक सफलता पर अनर्गल प्रलाप क्यों?

ललित गर्ग

मध्यप्रदेश के छतरपुर में बागेश्वर धाम मेडिकल एवं साइंस रिसर्च सेंटर की आधारशिला रखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महाकुंभ का उल्लेख करते हुए जिस तरह कुछ विपक्षी नेताओं पर निशाना साधा, उसकी आवश्यकता इसलिए थी, क्योंकि कुछ लोग वास्तव में अनावश्यक और अनर्गल टीका-टिप्पणी करने में लगे हुए हैं। पुरानी कहावत है, मियाँ को न पाऊँ तो बीवी को नोच खाऊँ वाली स्थिति विपक्षी नेताओं एवं दलों की हो चुकी है। इसे छिद्रान्वेषी मानसिकता ही कहा जाएगा। इस प्रकार की उद्देश्यहीन, अनर्गल, उच्छृंखल एवं विध्वंसात्मक आलोचना से किसी का हित सधता हो, ऐसा प्रतीत नहीं होता।

महाकुभ कवल एक धाामक समागम ही नहीं है, यह भारत की संस्कृति का भी परिचायक एवं आत्मा है। इस बार महाकुंभ में जितनी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया, वह अकल्पनीय है, विश्व में इतने विशाल जनसमूह को आकर्षित एवं नियोजित करने वाले धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक आयोजन की कोई दूसरी मिसाल नहीं मिलती। इस सफल एवं ऐतिहासिक आयोजन से विपक्षी दल एवं नेता बौखलाये हुए हैं और अपने बेतूके एवं अनर्गल प्रलाप से न केवल इस आयोजन की सफलता-गरिमा को धुंधलाना चाहते हैं बल्कि सनातन संस्कृति का उपहास उड़ा रहे है। टीएमसी अध्यक्ष ममता बनर्जी ने महाकुम्भ को मृत्युकुम्भ कहा तो सपा सांसद जया बच्चन एवं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे कहते हैं कि शवों को गंगा में बहा दिया गया, लालू यादव कहते हैं फालतू है महाकुम्भ। इस प्रकार के गैर जिम्मेदाराना बयान सनातन धर्म के जुड़े हुए सबसे बड़े आयोजन के प्रति दिए गए हैं। ऐसे एवं कुछ अन्य विपक्षी नेताओं के भ्रामक, त्रासद एवं गुमराह करने वाले बयानों से वहां जाने वाले लोगों को भयभीत, आतंकित और आशंकित किया गया। इन विपक्षी नेताओं का एक वर्ग, धर्म का मखौल एवं उपहास उड़ाते हुए लोगों को तोड़ने में जुटा है और बहुत बार विदेशी ताकतें भी इन लोगों का साथ देकर देश और धर्म को कमजोर करने की कोशिश करती दिखती हैं। यह समझ आता है कि कुछ तथाकथित प्रगतिशील और धर्मनिरपेक्षतावादी लोगों को सनातन धर्म से जुड़ा हर पर्व और परंपरा रास नहीं आती, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या वे अन्य मतावलंबियों के ऐसे धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजनों पर उसी तरह की टीका टिप्पणी करते हैं जैसी उन्होंने महाकुंभ को लेकर की। आखिर हिन्दू समाज अपने अस्तित्व एवं अस्मिता पर हो रहे इन हमलों एवं आघातों के लिये कब जागरूक एवं संगठित होगा? प्रयागराज महाकुंभ 2001, इस सहस्राब्दी का पहला कुंभ था, जो एक दुर्लभ खगोलीय संयोग के चलते 144 साल बाद हुआ है। जिसमें लगभग 62 करोड़ से अधिक लोगों के स्नान, रहने, चिकित्सा, यातायात व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन, स्वच्छता और सुरक्षा की शानदार एवं ऐतिहासिक व्यवस्थाएं करके मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार ने न केवल देश बल्कि दुनिया को चौंकाया है। यह दुनिया का पहला विशाल आयोजन है, जिससे भारत एवं सनातन धर्म का गर्व एवं गौरव दुनिया में बढ़ा है। बावजूद इसके विपक्षी नेता जिस तरह की बातें कह एवं कर रहे हैं, निश्चित ही यह उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता, सनातन विरोधी मानसिकता को ही दर्शा रहा है, वे लगातार विभाजनकारी राजनीति को प्रोत्साहन देते हुए भूल जाते हैं कि उनके ऊपर देश को तोड़ने नहीं, जोड़ने की जिम्मेदारी है। वे जानते नहीं कि वे क्या कह रहे हैं। उससे क्या नफा-नुकसान हो रहा है या हो सकता है। वे तो इसलिए बोल रहे हैं कि वे बोल सकते हैं, उन्हें बोलने की आजादी है, लेकिन इसका नुकसान देश को भुगतना पड़ रहा है। विडम्बना देखिये कि इसका नुकसान उनको एवं उनके दल को भी हो रहा है। भारत में सनातन विरोध की राजनीति करके वे अपनी ही जड़े उखाड़ रहे हैं, यह उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता को ही दर्शा रहा है। विपक्षी नेता अपने नजरिए को बदलें और देश में नफरत और झूठ की राजनीति करके भ्रम फैलाने की ओछी राजनीतिक हरकतों से बाज आएं। विपक्ष जिस भाषा का प्रयोग कर रहा है, वह किसी भी सभ्य समाज को शोभा नहीं देती। विपक्षी नेताओं ने सारी हदें लांघते हुए जो तुलनाएँ की, जो अनर्गल प्रलाप किया है वह निश्चित रूप से अतिरेक या अतिशयोक्ति कही जा सकती हैं। प्रतीत होता है हर दिखते समर्पण की पीठ पर स्वार्थ चढ़ा हुआ है। इसी प्रकार हर अभिव्यक्ति में कहीं न कहीं स्वार्थ की राजनीति है, सत्तापक्ष को नुकसान पहुंचाने की ओछी मनोवृत्ति है। कुछ विपक्षी नेताओं ने चुन-चुनकर इस आयोजन की समस्याओं को गिनाने में अतिरिक्त दिलचस्पी दिखाई और इस क्रम में वहां मची भगदड़ का जिक्र करते हुए यहां तक कहा कि उसमें हजारों लोगों की मृत्यु हुई है। यह गैरजिम्मेदारी, मानसिक दिवालियापन एवं अपरिपक्व सोच के अतिरिक्त और कुछ नहीं। यह अच्छा हुआ कि प्रधानमंत्री ने ऐसे लोगों को कठघरे में खड़ा किया क्योंकि वे हिंदू आस्था पर जानबूझकर प्रहार ही कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने सही कहा कि महाकुंभ भारत की संस्कृति, आस्था और एकता का प्रतीक है।

ये कैसी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता?

सुनील कुमार महला

इन दिनों देश में कामेडी(हास्य) के नाम पर फूहड़ता और अश्लील सामग्री पेश करने की लगातार बढ़ रही प्रवृत्ति को लेकर बहस छिड़ी हुई है। वास्तव में डिजिटल प्लेटफॉर्मों के नियमन हेतु सख्ती बहुत ही जरूरी और आवश्यक हो गई है। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज डिजिटल प्लेटफॉर्मों के नियमन पर सख्ती नहीं होने के कारण आज कोई भी डिजिटल प्लेटफॉर्मों का ग़लत इस्तेमाल कर बैठते हैं।अभिव्यक्ति की आजादी की आड़ में सार्वजनिक मंच या ओटीटी प्लेटफार्म्स के जरिए आज बहुतायत में ऐसी फूहड़, अश्लील,अमानक व उल्टी-सीधी कोई भी सामग्री परोसी जा रही है, जो हमारे समाज के नैतिक मूल्यों, आदर्शों, हमारी पारिवारिक मान्यताओं पर सीधे प्रहार करती है।

पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि पिछले दिनों एक विवादास्पद मामले में माननीय सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद हमारे देश के केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने संबंधित कानूनों के अनुपालन की जरूरत महसूस करते हुए ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के लिये एक एडवाइजरी जारी की है, जो कि बहुत अच्छी बात है, क्यों कि आज के इस आधुनिक युग में हम लगातार हमारे पारिवारिक, सामाजिक, सांस्कृतिक मूल्यों को भूलकर पाश्चात्य संस्कृति की ओर बढ़ते नजर आते हैं। हमारे संस्कृति, संस्कारों, नैतिक मूल्यों का आज पतन होता चला जा रहा है और कहना ग़लत नहीं होगा कि आज हम पाश्चात्य संस्कृति में रच-बस गए से प्रतीत होते हैं।आज सोशल नेटवर्किंग साइट्स, यू-ट्यूब पर आजादी का अतिक्रमण देखने को मिल रहा है, जो हमारे देश की संस्कृति तो कतई नहीं है। यह काबिले-तारीफ है कि भारत के सूचना व प्रसारण मंत्रालय ने ओटीटी प्लेटफॉर्म हेतु एडवाइजरी जारी करते हुए संबंधित कानून के सभी प्रावधानों के अनुपालन सुनिश्चित किए जाने की बात कही है। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज इंटरनेट और सोशल मीडिया के इस दौर में अभिव्यक्ति की आजादी की सीमाओं के निर्धारण की नितांत आवश्यकता है। भारत विश्व का एक ऐसा देश रहा है जहां हमेशा-हमेशा से अभिव्यक्ति की आजादी का सम्मान किया गया है। कहना ग़लत नहीं होगा कि समय-समय पर माननीय सुप्रीम कोर्ट समेत देश के कई उच्च न्यायालयों ने अभिव्यक्ति की आजादी को अक्षुण्ण बनाये रखने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। हाल ही में इंडिया गॉट टेलेंट कार्यक्रम में यूट्यूबर-पॉडकास्टर रणवीर इलाहाबादिया की ओर से जो अमर्यादित टिप्पणी की गई उसको लेकर देशभर में बवाल मचा। पाठक जानते होंगे कि यह मामला इतना गरमाया कि यह सर्वोच्च न्यायालय तक जा पहुंचा। कहना ग़लत नहीं होगा कि रणवीर को गिरफ्तारी से अंतरिम राहत देते हुए शीर्ष अदालत ने जो टिप्पणियां की हैं, उसके गहरे मायने हैं। अदालत ने उनसे पूछा कि आपने अपने कार्यक्रम में जो कुछ बोला, वह यदि अश्लीलता नहीं है, तो फिर उसके मापदंड क्या हैं ? न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि रणवीर और उनके साथियों ने जैसी विकृत मानसिकता का प्रदर्शन किया और जो शब्द उन्होंने चुने, उनसे माता-पिता, बहनें-बेटियां व भाई शर्मिंदा होंगे। उनके दिमाग में जो गंदगी है, वही इस शो के जरिए बाहर आई है।% बहरहाल, हालांकि, यह बात अलग है कि अदालत ने इस मामले में अतिरिक्त एफआईआर दर्ज करने पर रोक लगा दी। इस मामले में राज्य प्रशासन को उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के आदेश भी दिए, लेकिन रणवीर को इस कार्यक्रम के प्रसारण के चंद घंटों के भीतर देश में भारी विरोध का सामना करना पड़ा। इसके लिए उन्हें न केवल सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी पड़ी, बल्कि यूट्यूब से अपने कार्यक्रम के तमाम भागों को भी हटाना पड़ा। इतना ही नहीं, पाठकों को बताता चलूं कि अदालत की

शख्सियत - बढ़ता राजस्थान

रामेश्वर लाल
(पुलिस निरीक्षक)

नमस्कार साथियों हमारी आज की शख्सियत कॉलम के स्टार हैं राजस्थान पुलिस के जांबाज पुलिस निरीक्षक । इनका 9फरवरी 1970 में ग्राम चैनपुरा नियर खाटू श्याम जी जिला सीकर में साधारण किसान परिवार में जन्म हुआ एकक्षा दसवीं तक की शिक्षा गांव के पास धीगपुर में स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय से प्राप्त की। एस के कॉलेज सीकर से बीकॉम में स्नातक किया, इसी दौरान माह सितंबर 1990 में पुलिस विभाग में कांस्टेबल के पद पर चयन होने पर जयपुर शहर में कांस्टेबल के पद पर सर्वप्रथम ड्यूटी ज्वाइन की। कांस्टेबल के पद पर पुलिस थाना झोटवाड़ा, विद्याधर नगर व विश्वकर्मा जयपुर पदस्थापित रहे, पदस्थापन के दौरान विभिन्न न्यायालयो मे विचाराधीन प्रकरणों में फरार चल रहे मुलजिमान जिनकी गिरफ्तारी के लिए न्यायालय ने स्टैंडिंग आर्डर जारी कर रखे थे को एक कैलेंडर वर्ष2003 के 10 माह की समय अवधि में विशेष रुचि लेकर 105 अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल में दाखिल करवाया। हत्या,लूट,डकैती,मादक पदार्थ की तस्करी के मुलजिमान एवं चोरी नकब्जनी के मामलों का पर्दाफाश कर मुलजिमान को गिरफ्तार करने में भी विशेष भूमिका निभाई जिस पर तत्कालीन पुलिस अधीक्षक जयपुर द्वारा विशेष पदोन्नति के लिए महानिदेशक पुलिस राजस्थान को अनुशंसा की गई लेकिन इसी दौरान विभागीय परीक्षा में उत्तीर्ण होने पर हैड कांस्टेबल के पद पर पदोन्नति मिली ।तत्पश्चात सहायक उपनिरीक्षकए ,उपनिरीक्षक पुलिस के पद पर पदोन्नति होकर पुलिस आयुक्तालय जयपुर के पुलिस थाना हरमाड़ा, बगरू,मानसरोवर कालवाड़ में पद स्थापित रहकर ईमानदारी से वह समय पर कार्य कर आमजन में पुलिस विभाग की शानदार छवि बनाई। उच्च अधिकारियों द्वारा अब तक उत्तम सेवा चिन्ह,अति उत्तम सेवा चिन्ह एवं करीब 100 प्रशंसा पत्र नगद इनाम दिए जा चुके हैं। तत्पश्चात माह दिसंबर 2023 में पुलिस निरीक्षक के पद पर पदोन्नति होने पर जिला अलवर पुलिस निरीक्षक के पद पर पदस्थापन हुआ इस दौरान थाना अधिकारी पुलिस थाना साइबर अलवर पर पद स्थापित रहकर साइबर फ्रॉड करने वाले अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की इस दौरान फ्लिपकार्ट कंपनी के पोर्टल पर फर्जी तरीके से कपड़ों का विक्रेता के रूप में जुड़कर करीब डेढ़ करोड़ की ठगी करने वाले जैसे गिरोह का पर्दाफाश कर अपराधियों को गिरफ्तार किया तत्परता से कार्रवाई कर फ्रॉड राशि का बड़ा हिस्सा अपराधियों द्वारा बैंक से निकलने से रोका एवं अपराधियों द्वारा निकाली गई राशि से खरीदी गई गाड़ी भूखंडों को सीज किया विगत चार माह से थाना अधिकारी पुलिस थाना अरावली विहार अलवर के पद पर पद स्थापित रहकर लंबे समय से पेंडिंग चल रहे प्रकरणों के निस्तारण में विशेष रुचि लेकर कार्य किया लोगों को राहत प्रदान की। टीम बढ़ता राजस्थान ऐसे शानदार व जाँबाज अधिकारी के उज्जवल भविष्य की कामना करती है।

रूपक शर्मा

2025_054 a - बढ़ता राजस्थान

Ans_2025_053

Suduko

8			7		5			
	5	9		2				
3	7	2		9		4	5	
6	1		9			3	8	4
9	4			6	7	1		5
2		5	8	4		9	6	
			2	8		7		
			5		9			8
4								2

9	8	7	1	6	2	3	4	5
3	6	4	5	8	7	1	9	2
1	5	2	9	4	3	7	6	8
5	9	3	7	1	4	8	2	6
4	2	6	8	3	5	9	1	7
8	7	1	2	9	6	4	5	3
7	4	5	3	2	1	6	8	9
2	1	8	6	7	9	5	3	4
6	3	9	4	5	8	2	7	1

कैसे खेलें

वर्ग को 1 से 9 तक अंकों से ऐसे भरें कि आड़ी व खड़ी पंक्ति के साथ ही 3 गुणा 3 के बॉक्स में 1 से 9 तक अंक आएं। कोई अंक दुबारा नहीं आए।

आज का राशिफल

हमारे अनुभवी ज्योतिषियों की टीम के अनुसार आप कई विविध लक्ष्यों को पूरा करेंगे। क्या आप यह जानना चाहते है कि आपके जीवन के ऐसे कौनसे क्षेत्र है, जहां आपके सितारे बुलंद रहेंगे और दूसरी तरफ, आपको किस बातों से सावधान रहना चाहिए। हम न सिर्फ हमारे काम में और जटिल गुत्थों को सुलझाते वक्त सकारात्मक ऊर्जा को महसूस करेंगे, बल्कि पारस्परिक संबंधों में भी, जहां यह स्थानान्तरण हमें सताए और बातचीत में लाभ प्रदान करेगा

मेष

नए संपर्क और परिचय व्यापार के क्षेत्र में लाभप्रद रहेंगे। आज पूरे दिन मन उल्लास और प्रसन्नता से भरा होगा। आज शारीरिक और मानसिक सुख बना रहेगा। नौकरी-व्यवसाय में आपके काम की प्रशंसा होगी।

वृष

तबीयत के पीछे धन खर्च होने की संभावना है। पारिवारिक सदस्यों के साथ मनमुटाव होगा। आज आप दांपत्य जीवन के सुखद क्षणों का अनुभव करेंगे। सामाजिक और सार्वजनिक क्षेत्र में आप ख्याति और प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगे।

मिथुन

विवाद ना करें अन्यथा मानहानि हो सकती है। धार्मिक काम में खर्च हो सकता है। पारिवारिक वातावरण बिगड़ सकता है। काम में असफलता से मन में असंतोष तथा निराशा की भावना रहेगी। स्वास्थ्य के प्रति ध्यान दें।

कर्क

बीमार व्यक्ति की भी तबीयत में सुधार होगा। घर में सुख-शांति के वातावरण में आप समय व्यतीत करेंगे। कार्य में सफलता और यश मिलने से उत्साह बढ़ेगा। नौकरी में लाभदायक समाचार मिलेगा और सहकर्मियों का साथ मिलेगा। नौकरी पेशावालों को भी लाभ मिलेगा।

सिंह

आज का दिन नए काम का आरंभ करने के लिए शुभ है। नौकरी, व्यापार तथा दैनिक काम में अनुकूलता बनी रहेगी। भाई-बंधुओं से लाभ तथा सहयोग मिलेगा। विद्यार्थियों का पढ़ाई में मन लगेगा। आज का दिन शुभ फलदायी है।

कन्या

विदेश जाने के इच्छुक लोगों के प्रयास सफल होंगे। विदेश से अच्छे समाचार आएंगे। धार्मिक काम या यात्रा के पीछे धन खर्च होगा। पारिवारिक सदस्यों और पदाधिकारियों के साथ सुखमय दिन गुजरेगा। उत्साह बना रहेगा। नए काम की शुरुआत के लिए के लिए दिन अच्छा है।

तुला

मनोरंजक प्रवृत्तियों में भाग लेंगे। वस्त्राभूषण और वाहन की खरीदी होगी। नए व्यक्तियों के साथ परिचय प्रेम में परिवर्तित होगा। व्यापार में भागीदारों के साथ संबंध अच्छे रहेंगे। सामान्य रूप से आज स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

वृश्चिक

आज मन में उदासीनता छाई रहेगी। शरीर में ताजगी तथा मन में खुशी का अभाव रहेगा। परिजनों के साथ बातचीत में तनाव हो सकता है। आपका स्वभिमान भंग न हो, इसका ध्यान रखें। जमीन तथा वाहन आदि का काम ध्यान से करें।

धनु

व्यापारियों अपने व्यापार की वृद्धि कर सकेंगे। इससे आप अधिक प्रोत्साहित होंगे। पदोन्नति का योग है। समाज में मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। सरकारी कामों में सफलता मिलेगी। आज आपकी भाग्य वृद्धि के साथ आकस्मिक धन लाभ होगा।

मकर

आध्यात्मिकता के प्रति रुचि अधिक रहेगी। आप लाभ के लालच में न फंसे। निर्णयशक्ति का अभाव दुविधा में डाल देगा। आज का दिन आपके लिए आनंद से भरा है। परिजनों और मित्रों के साथ वातावरण आनंदमय रहेगा।

कुंभ

आपका दिन मध्यम फलदायी है। विद्यार्थियों को अभ्यास में सफलता मिल सकती है। नए काम की शुरुआत आज ना करें। आर्थिक आयोजन के लिए आज का दिन अनुकूल रहेगा। परिश्रम फलदायी सिद्ध होगा।

मीन

प्रतिकूलता का सामना करना पड़ सकता है। मानसिक रूप से आप अस्वस्थता का अनुभव करेंगे। परोपकार की जगह पहले आप अपने काम पर ध्यान दें। लेन-देन करते समय सावधानी बरतें। परिवार के सदस्यों तथा मित्रों के साथ भोजन का अवसर मिलेगा। धन लाभ होगा।

जलदाय मंत्री चौधरी ने ग्रामीणो को दिया समस्याओं के शीध्र समाधान का आश्वासन

बढ़ता राजस्थान

मालपुरा (कृष्णचन्द्र विजय)। प्रदेश के जलदाय मंत्री एवं मालपुरा टोडारायसिंह क्षैत्र के विधायक कन्हैयालाल चौधरी ने क्षैत्र के नगर एवं आवड़ा गांवो में जलसुनवाई कार्यक्रम में उमड़े ग्रामीणो को प्राप्त सभी मूलभूत समस्याओं के शीध्र समाधान का आश्वासन दिया।

राज्य सरकार के जनप्रतिनिधि आपके द्वार कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रदेश के जलदाय मंत्री एवं मालपुरा टोडारायसिंह क्षैत्र के विधायक कन्हैयालाल चौधरी नगर एवं आवड़ा गांवो में पहुंचे। चौधरी ने दोनो ही गांवो में आयोजित जनसुनवाई में उमड़े ग्रामीणो एवं जनप्रतिनिधियो से मूलभूत समस्याओं से सम्बन्धित प्रार्थना पत्र प्राप्त किए। साथ ही प्राप्त समस्याओं से सम्बन्धित समस्याओं के शीध्र समाधान का आश्वासन दिया। नगर ग्राम पंचायत मुख्यालय पर आयोजित जनसुनवाई में सरपंच किस्मत कंवर - राजू सिंह ने सम्पूर्ण ग्राम पंचायत क्षैत्र से सम्बन्धित मूलभूत समस्याओं को जलदाय मंत्री चौधरी के सामने रख कर इनके शीध्र समाधान करवाने की मांग रखी। साथ ही कार्यक्रम में उमड़े ग्रामीणो ने भी अपने अपने गांव व ढाणियो में व्याप्त आम जन से जुड़ी समस्याओं को मंत्री के सामने रखा। जनसुनवाई कार्यक्रम में उमड़े ग्रामीणो को सम्बोधित करते हुए जलदाय मंत्री चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार गाँव व ढाणियो में रहने वाले ग्रामीणो की समस्याओं का त्वरित गति से समाधान चाहती है।

सरकार ने अपने सभी जन प्रतिनिधियो को गांव ढाणीयो में भेजकर समस्याओं को सुनने, इनके समाधान करवाने के उद्धेश्य को लेकर इस कार्यक्रम को शुरू किया है। चौधरी ने विश्वास दिलाते हुए कहा कि वे बिना किसी राजनेतिक दुर्भावना के व क्षैत्र के सभी लोगो को अपने परिवार का सदस्य मानकर हर प्रकार राहत देना एवं विकास करना चाहते हैं। राहत देने एवं विकास को लेकर वे सदैव चिन्तित रहते हैं और चोबीस घंटे अपने इसी उद्धेश्य को पूरा करने की सोच लेकर ही गुजार देते हैं। चौधरी ने ग्रामीणो से कहा कि ग्रामीणो एवं जनप्रतिनिधियो की ओ से प्राप्त समस्याओं का त्वरित गति से समाधान करवाया जाएगा। इसके लिए अधिकारियो को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान कर दिए गए हैं। इस दौरान दोनो ही स्थानो पर आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रमो में भाग लेने पहुंचने पर सम्बन्धित क्षैत्र के जनप्रतिनिधियो व ग्रामीणो ने जलदाय मंत्री चौधरी की अगवानी कर सार्वजनिक रूप से अभिनन्दन एवं स्वागत सम्मान किया। इस दौरान चौधरी के साथ मुख्य रूप से उपखण्ड अधिकारी अमित कुमार चौधरी सहित अन्य कई विभागीय अधिकारी, सम्बन्धित क्षैत्र के सरकारी लोक सेवक व भारी संख्या में ग्रामीणजन मौजुद रहे।

देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष ओम प्रकाश भडाणा ने किया छात्रावासों का निरीक्षण

बढ़ता राजस्थान

टोंक,(का.स.)। देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष ओम प्रकाश भडाणा ने सोमवार को जिले में संचालित देवनारायण योजना के तहत उपखंड उनियारा में संचालित राजकीय देवनारायण आदर्श छात्रावास उनियारा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान श्री भडाणा ने छात्रावास मे उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया। साथ ही, विभिन्न कमियों को लेकर छात्रावास अधीक्षक को सुधार करने के निर्देश दिए। उन्होंने राजकीय देवनारायण बालक छात्रावास उनियारा में अगले वित्तीय वर्ष से शत-प्रतिषत बच्चों का प्रवश सुनिश्चित करने एवं विभागीय दिशा-निर्देशों की पालना करने पर जोर दिया। श्री भड़ाणा ने इंडोर गेम, भाषण प्रतियोगिता, निबंध लेखन प्रतियोगिता एवं महापुरुषों की जयंतियों का आयोजन कर छात्रों के सर्वांगीण विकास की बात कही। इसके बाद उन्होंने टोंक शहर में संचालित देवनारायण गुरुकुल योजना के अंतर्गत सेंट सोल्जर आवासीय विद्यालय का निरीक्षण किया। जहां विद्यार्थियों से संवाद कर छात्रावास में मिल रही सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। इस दौरान सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, टोंक के उपनिदेशक करतार सिंह मीना, जिला शिक्षा अधिकारी मीना लसारिया उपस्थित रहीं। अध्यक्ष ने विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षात्मक बैठक कर राज्य सरकार की योजनाओं की प्रगति को लेकर आवश्यक निर्देश दिए।

शराब की पेटियां चुराने के 2 आरोपी गिरफ्तार : कार भी जब्त, खेत में रखे कंटेनर का ताला तोड़कर की थी वारदात

बढ़ता राजस्थान

टोंक,(का.स.)। टोंक जिले की घाड़ थाना पुलिस ने गत साल एक शराब के ठेके में से शराब की पेटियां चुराने के मामले में 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से एक कार और ताला तोड़ने के सामान बरामद किए है। यह कार्रवाई स्क विकास सांगवान के आदेश पर की गई है। एस पी विकास सांगवान ने बताया कि गत साल गेरोली मोड़ के पास खेत में रखे शराब से भरे लोहे के कंटेनर का बदमाशों ने ताला तोड़ा। इसके बाद बदमाशों ने कंटेनर में रखी शराब की 40 पेटियां निकाल ले गए। इसका पता लगने के पीड़ित ने थाने में मामला दर्ज कराया। उसके बाद पुलिस ने जांच शुरु की। घाड़ थाना प्रभारी हरिराम ने डीएसपी रामसिंह कस्वा के सुपर विजन में मुखबीर और साइबर सेल की मदद ली। इसमें आरोपियों का पता लगने के बाद 2 आरोपियों दीपक (21) पुत्र छीतर लाल रेदास निवासी तितरिया थाना नासिरदा जिला टोंक और अंकित (21) पुत्र रमेश रेदास निवासी बाबाजी का बरडा थाना हिण्डोली जिला बूंदी को डिटेन किया। फिर थाने लाकर पूछताछ की तो दोनों ने शराब के कंटेनर में से शराब की पेटियां चुराना स्वीकार किया। उसके बाद उन्हे गिरफ्तार कर लिया है।

अन्य जगह भी की थी चोरी

शुरुआती पूछताछ में बताया कि दोनों आरोपियों ने थाना डिग्गी के ग्राम चोसला के पास एक लोहे के कंटेनर में से शराब की चोरी करना व रामाज होटल के पास पुलिस थाना निवाई सदर में भी लोहे के कंटेनर में से चोरी करना कबूला है।

टोंक में फिर मौसम बदला, सर्दी से राहत धूप में तेजी से अधिकतम तापमान बढ़ने के आसार न्यूनतम तापमान भी दो डिग्री सेल्सियस बढ़ा

बढ़ता राजस्थान

टोंक,(का.स.)। टोंक जिले में एक बार फिर एक दिन बाद सोमवार को मौसम बदल गया। सुबह से ही सर्द हवा का असर रविवार के मुकाबले कम रहा। इसके चलते फिर से मौसम में ठंड का असर कम रहा। रविवार रात भी अन्य दिनों के मुकाबले सर्दी का असर कम रहा। इससे न्यूनतम तापमान दो डिग्री सेल्सियस तक बढ़ गया। ऐसे में लोगों ने एक बार फिर ऊनी कपड़े कम पहने दिखाई दिए। इस बदलते मौसम के चलते अधिकतम और न्यूनतम तापमान भी बदल रहा है। अधिकतम तापमान एक डिग्री सेल्सियस बढ़ने के आसार है। अधिकतम तापमान रविवार के मुकाबले सोमवार को एक डिग्री सेल्सियस बढ़कर 27 डिग्री सेल्सियस रहने के आसार है। वहीं 24 घंटे में ही न्यूनतम तापमान दो डिग्री सेल्सियस बढ़कर 15 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। जबकि इससे पहले न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस था। ज्ञात रहे कि जिले में इस साल सर्दी के मौसम में आए दिन मौसम बदल रहा है । कभी सर्दी का अहसास ज्यादा होता हाई तो कभी गर्मी जैसा मौसम बन जाता है । नवंबर 2024 से सर्दी का मौसम बना हुआ है। इसमें करीब एक माह पहले 15-20 दिन तक कभी कम तो कभी घना कोहरा भी छाया था। एक पखवाड़े पहले कई जगह बारिश हुई थी। इससे तापमान काफी गिर गया था।

तीन दिवसीय मेले का ध्वज पूजन के साथ हुआ शुभारम्भ

आज निकलेगी भव्य शिव बारात, कल होगा भगवान शंकर का जलाभिषेक

बढ़ता राजस्थान

मालपुरा (कृष्णचन्द्र विजय)। श्री छतरेश्वर मन्दिर विकास समिति के तत्वावधान में महाशिवरीात्रि के पावन पर्व पर आयोजित तीन दिवसीय मेले का शुभारम्भ ध्वज पूजन के साथ हुआ। इसी क्रम में मंगलवार 25 फरवरी को भव्य एवं आकर्षक शिव बारात निकाली जाएगी तथा बुधवार 26 फरवरी को महाशिवरात्रि के दिन दिन भर भगवान शंकर की पूजा व शाम को आकर्षक संध्या आरती होगी। इस संबंध में जानकारी देते हुए समिति अध्यक्ष पवन जैन संगम व महामंत्री लेखराज सोनी ने बताया कि सोमवार को श्रवण कुमार पारवानी एवं इनके परिवारजनो ने ध्वज पूजन कर तीन दिवसीय मेले का शुभारम्भ किया। इसी क्रम में मंगलवार को दोपहर 1.30 महेश सेवा सदन में आकर्षक एवं भव्य शिव बारात निकाली जाएगी। इस बारात का मुख्य आकर्षक बाबा महाकाल ग्रुप अलवर के कलाकारो का सुन्दर प्रदर्शन होगा।

यह बारात शहर के सभी मुख्य बाजारो से होकर मन्दिर परिसर पहुँच कर विसर्जित होगी। वहीँ मेले के अन्तिम दिन महाशिवरात्रि पर्व पर बुधवार को सुबह भगवान शिव का जलाभिषेक पूजन होगा, आकर्षक फूल बंगला झांकी सजाई जाएगी तथा संध्या के समय चंग ढोल नंगाड़ो व बेण्डबाजो के साथ 108 दीपको से महाआरती होगी।

अंत में प्रसादी का वितरण होगा। मेले के अन्तिम दिन मन्दिर परिसर में बच्चो के लिए मिकी माऊस, झूले तथा रंगारंग सांस्कृतिक कार्येक्रमो का आयोजन रखा जाएगा।

स्थापना दिवस पर निकली विद्यार्थीयों की रैली

बढ़ता राजस्थान

मालपुरा (नि.स.)। अन्तर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष (2025) वर्ष के तहत मालपुरा क्रय विकय सहकारी समिति के स्थापना दिवस के मौके पर राउप्रावि बृजलालनगर के विद्यार्थियों द्वारा सहकारिता जागरूकता रैली निकाली गई। सोमवार को अन्तर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष व समिति के स्थापना दिवस के उपलक्ष में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय बृजलालनगर के विद्यार्थियों द्वारा सहकारिता के प्रति जन जागरूकता को लेकर

निकाली गई रैली को मालपुरा क्रय विक्रय सहकारी समिति के अध्यक्ष भंवरलाल चौधरी ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इससे पूर्व छात्रो को दिए अपने सम्बोधन में समिति अध्यक्ष चौधरी ने विद्यार्थियों को सहकारिता आन्दोलन के बारे में विस्तार से जानकारी देकर इसकी उपयोगिता व उद्धेश्यो पर प्रकाश डाला। अंत में समिति मैनेजर ओमप्रकाश शर्मा ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विद्यार्थियों व शाला परिवार के प्रति आभार प्रकट किया। रैली में भाग लेने वाले सभी विद्यार्थियों को समिति की ओर आकर्षक उपहार दिए गए। साथ ही कार्यक्रम में भाग लेने पहुंचने पर मैनेजर ओमप्रकाश ने समिति अध्यक्ष भंवरलाल चौधरी की अगवानी कर स्वागत किया। इस दौरान समिति के सागर शर्मा सहित समिति के सभी अधिकारी कर्मचारी व भारी संख्या में प्रबुद्धजन मौजुद रहे।

पीड़ित परिवार ने आईजी को सौंपा ज्ञापन

बढ़ता राजस्थान

मालपुरा (कृष्णचन्द्र विजय)। नामदेव समाज मालपुरा पीड़ित परिवारजनो ने आईजी ओमप्रकाश के मालपुरा प्रवास के दौरान ज्ञापन सौंप कर मालपुरा थाने में दर्ज 315/2024 के वाछिंत आरोपितो की गिरफ्तारी की मांग रखी। गत दिनो आईजी ओमप्रकाश मालपुरा प्रवास पर रहे। इस दौरान नामदेव समाज के पीड़ित परिवार जन बजरंगलाल, सुरेशचन्द, विद्या देवी, लाली देवी, प्रेमचन्द, गिर्राज, जगदीश सहित अन्य के हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में अवगत कराया गया कि 29 दिसम्बर 2024 को अजमेर रोड पर उनके खातेदारी की जमीन को हड़पने की नियत से रखवाली कर रहे खेत मालिक पर जानलेवा हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया था। इस मामले को लेकर पीड़ितो की ओर से मालपुरा थाने में नामजद रिपोर्ट दर्ज करवाई गई थी। पुलिस द्वारा आरोपितो को गिरफ्तार करता नहीं देख नामदेव समाज की ओर से उपखण्ड अधिकारी से लेकर जिला कलक्टर सहित अन्य आला अधिकारियो के साथ साथ सरकार तक ज्ञापन सौंप कर मामले में न्याय की गुहार लगाई थी। लेकिन इस मामले के कई नामजद आरोपी आज भी खुले धूम कर पीड़ित परिवार को धमकिया देने एवं मामले को रफा दफा करवाने का दबाव बना रहे हैं। ज्ञापन में मामले के नामजद आरोपितो को शीध्र गिरफ्तार कर पीड़ित परिवारजनो व सम्पूर्ण नामदेव समाज को राहत देने की मांग की गई है।

श्री बद्रीनाथ मंदिर को बजट में शामिल करने पर मंत्री नागर का किया स्वागत

बढ़ता राजस्थान

नटवाड़ा (नि.स.)। राजस्थान बजट घोषणा में धार्मिक स्थलो पर आधारभूत संरचना एवं विकास सम्बन्धी कार्यो के लिए गांव नटवाड़ा में स्थित श्री बद्रीनाथ मंदिर को शामिल करने पर ग्रामीणो ने जिला प्रभारी एवं ऊर्जा मंत्री हीरा लाल नागर एवं क्षेत्रीय विधायक रामसहाय वर्मा का माला पहनाकर और साफा बंधवाकर स्वागत किया। इस अवसर ग्रामीणो ने मुंह मीठा करवाकर एक.दूसरे को बधाई दी। निवाई.पीपलू विधायक रामसहाय वर्मा की अभिशंसा पर नटवाड़ा के श्री बद्रीनाथ मंदिर सहित टोंक जिले के तीन मंदिरो को जीर्णोद्धार एवं विकास कार्यो के लिए शामिल किया गया। बजट में शामिल प्रदेश के 31 मंदिरो पर 57 करोड़ रूपए की राशि खर्च की जावेगी। इस अवसर भाजपा जिलाध्यक्ष चन्द्रवीर सिंह चौहान, नटवाड़ा मण्डल अध्यक्ष बद्री विजय, तेजभँवर सिंह राठौड़, सांवरा जोशी, मुकेश कीर, रामजी लाल बोकण, श्याम जोशी, शंकर मोठिया सहित ग्रामीण मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार की पहल

मुख्यमंत्री घुमंतू आवास योजना : विमुक्त, घुमंतु एवं अर्द्धघुमन्तु समुदाय के आवासहीन परिवारों को मिलेगा 1 लाख 20 हजार रुपये का अनुदान

बढ़ता राजस्थान

टोंक,(का.स.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा विमुक्त, घुमंतु एवं अर्द्धघुमंतु समुदाय के आवासहीन परिवारों को स्थायी आवास उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री घुमंतु आवास योजना के तहत 1 लाख 20 हजार रुपये तक का अनुदान प्रदान किया जा रहा है।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक करतार सिंह मीणा ने बताया कि बजट घोषणा संख्या 83 (वर्ष 2024-25) की अनुपालना में यह योजना लागू की गई है, जिसके तहत वे परिवार लाभान्वित होंगे जो अब तक स्थायी आश्रय से वंचित हैं और शहरी या ग्रामीण क्षेत्रों की झुग्गी बस्तियों में अस्थायी तंबुओं, झोपड़ियों, कच्चे घर आदि में रह रहे हैं। इन बस्तियों में स्वच्छता, पेयजल, सीवरेज,

बिजली, सड़क और सार्वजनिक शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं हैं। योजना के तहत उन आवासहीन परिवारों को लाभान्वित किया जाएगा, जिन्हें पहले से पट्टे वितरित किए गए हैं। ऐसे परिवार जन आधार के माध्यम से ई मित्र पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए विमुक्त, घुमंतू एवं अर्द्धघुमन्तु जाति प्रमाण-पत्र, सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी भूखंड आवंटन का पट्टा एवं अन्य निर्धारित दस्तावेज, मूल निवास प्रमाण-पत्र, वार्षिक आय प्रमाण-पत्र आवश्यक है। उप निदेशक मीणा ने बताया कि आवेदक को नॉन-ज्यूडिशियल स्टाम्प पेपर पर यह घोषणा करनी होगी कि राज्य में कहीं पर भी उसका स्वयं का दूसरा घर नहीं है और सरकार से प्राप्त सहायता से बना घर 20 वर्षों तक विक्रय नहीं किया जाएगा। इसके अलावा, आवेदक को इस घर में स्वयं निवास करना होगा और केंद्र या राज्य सरकार की किसी अन्य आवासीय योजना का पूर्व में लाभ नहीं लिया होना चाहिए। इस योजना का उद्देश्य समुदाय के सबसे वंचित वर्गों को स्थायी आवास प्रदान कर उनके जीवन स्तर में सुधार करना है। पात्र परिवार अधिकाधिक संख्या में आवेदन कर इस योजना का लाभ उठा सकते हैं। योजना को लेकर अधिक जानकारी के लिए समाज कल्याण कार्यालय (सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग) पर संपर्क किया जा सकता है।

बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा बैठक आयोजित

बजट घोषणाओं को समयबद्ध और प्रभावी ढंग से लागू करें : भडाणा

बढ़ता राजस्थान

सवाई माधोपुर (राकेश शर्मा)। देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष एवं ओमप्रकाश भडाणा की अध्यक्षता एवं जिला प्रभारी सचिव एवं आयुक्त खाद्य सुरक्षा औषधि नियंत्रण एच. गुईटे की की उपस्थिति में रविवार को कलेक्ट्रेट सभागार में बजट घोषणाओं के त्वरित एवं समयबद्ध क्रियान्वयन हेतु जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आमजन के कल्याण के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष ओमप्रकाश भडाणा ने जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि बजट घोषणाओं को समयबद्ध और प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारने के लिए पूर्ण गम्भीरता एवं तत्परता से कार्य करें, ताकि आमजन को इसका पूर्ण लाभ मिल सके। इस दौरान अध्यक्ष ने कहा कि कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में जिला पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता, अतिरिक्त जिला कलक्टर संजय शर्मा, उप वन संरक्षक सुनील चौधरी, सीएमएचओ डॉ. अनिल

कुमार जैमिनी, मण्डी सचिव दिलीप मीणा, अधीक्षण अभियंता जलदाय विभाग भगवान सहाय मीणा, भाजपा जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

बजट में जिले को मिली सौगाते

- सवाई माधोपुर में 400 केवी जीएसएस,
- गंगापुर सिटी चूली में 33/11 केवी जीएसएस
- गंगापुरसिटी में ऑडिटोरियम, रोड़वेज बस स्टेण्ड, खेल स्टेडियम, महाविद्यालय स्तरीय बालिका छात्रावास, कृषि महाविद्यालय खोला जाएगा।
- खण्डार में रामेश्वर घाट त्रिवेणी संगम का विकास, हेरिटेज ट्यूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए खण्डार किले का विकास
- -15 करोड़ रूपये की लागत से हम्मीर सर्किल से गणेशधाम सर्किल तक सड़क का उन्नयन
- केन्द्र की स्मार्ट सिटी योजना की तर्ज पर सवाई माधोपुर के शहरी क्षेत्रों को कोष गठित कर आगामी 3 वर्षों में Clean and Green - Eco Cities के रूप में विकसित किया जाएगा।
- रणथम्भौर दुर्ग स्थित त्रिनेण गणेश मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु विभिन्न सुविधाएं
- ग्रामीण ट्यूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए भूरी पहाड़ी को विकसित किया जाएगा
- चकचैनपुरा हवाई पट्टी को बड़े हवाई जहाज उतरने योग्य बनाया जाएगा
- शिवाड़ में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन निर्माण कार्य करवाया जाएगा।
- सवाई माधोपुर में खाद्य पदार्थों में मिलावट की रोकथाम एवं प्रभावी नियंत्रण के लिए खाद्य प्रयोगशाला
- सवाई माधोपुर में विशेष न्यायालय (पोक्सो एक्ट) की स्थापना
- घड़ियाल संरक्षण की दृष्टि से सवाई माधोपुर में पालीघाट के निकट घड़ियाल Rearing Centre स्थापित किया जायेगा।

मूंगफली खरीद पर अशोक गहलोत के बयान पर सहकारिता मंत्री का पलटवार

गहलोत पहले अपने गिरेबान में झांके : गौतम दक

बढ़ता राजस्थान

उदयपुर (नि.स.)। प्रदेश के सहकारिता एवं नागरिक उड्डयन मंत्री गौतम कुमार दक ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयान पर पलटवार किया है। दक ने कहा कि गहलोत ने किसानों के प्रति राज्य सरकार की उदासीनता और मूंगफली किसानों को नुकसान के बारे में जो बयान दिया है वह पूरी तरह झूठा और निराधार है। उन्होंने कहा कि गहलोत को पहले अपनी गिरेबान में झांकना चाहिए। सहकारिता मंत्री ने कहा कि वर्ष 2024-25 में प्रदेश में अब तक लगभग 3.72 लाख मीट्रिक टन मूंगफली की खरीद समर्थन मूल्य पर की जा चुकी है। जो की सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि हैं और यह गत पांच वर्षों में सर्वाधिक मूंगफली की खरीद है। उन्होंने बताया कि मूंगफली खरीद के लिए 1.33 लाख से अधिक किसानों से पंजीकरण करवाया था, जिनमें से अब तक 1 लाख से अधिक किसानों से खरीद की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि अब तक लगभग 2527 करोड़ रुपये की मूंगफली खरीद की गई है और लगभग 1535 करोड़ रुपये का किसानों को भुगतान भी किया जा चुका है। दक ने पूर्ववर्ती गहलोत सरकार में खरीद के आंकड़े गिनाते हुए कहा कि वर्ष 2020-21 में 31,720 किसानों से 389.43 करोड़ राशि की महज 73 हजार मीट्रिक टन मूंगफली खरीदी गई थी। जबकि, वर्ष 2021-22 में 23,562 किसानों से 295 करोड़ राशि की महज 53 हजार मीट्रिक टन मूंगफली खरीदी गई। इसी प्रकार, वर्ष 2022-23 में केवल 571 किसानों से 5.92 करोड़ रुपये की 1012 मीट्रिक टन मूंगफली खरीद की गई थी। वहीं, वर्ष 2023-24 में भी 19,272 किसानों से 296.23 करोड़ रुपये की महज 46 हजार मीट्रिक टन मूंगफली की खरीद हुई थी। सहकारिता मंत्री ने कहा कि गहलोत सरकार के कार्यकाल में चार वर्षों में जितनी मूंगफली की खरीद की गई उससे दोगुनी से ज्यादा मूंगफली की खरीद वर्तमान सरकार के कार्यकाल में एक वर्ष में ही कर ली गई है।

गायत्री कंप्यूटर सेंटर पर महिलाओं के लिए निशुल्क कंप्यूटर आरएससीआईटी कोर्स का किया शुभारंभ

बढ़ता राजस्थान

हिंडौन सिटी (अंशु गुप्ता)। सोमवार को धाकड़ धर्मशाला के पास, सुखदेवपुरा, हिंडौन सिटी में स्थित गायत्री कंप्यूटर सेंटर पर महिलाओं के लिए निशुल्क कंप्यूटर आरएससीआईटी कोर्स का शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि राजकीय महाविद्यालय के प्राचार्य पप्पू कोली जी ने और महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष लज्जा रानी अग्रवाल ने मां सरस्वती जी को दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महोदय श्री पप्पू कोली जी ने बालिकाओं को रेगुलर क्लास अटेंड करने की सलाह दी और कहा कि जिस तरह से आपको मोबाइल का संपूर्ण ज्ञान है इस तरह से आपको इस कंप्यूटर क्षेत्र में भी नॉलेज रखनी चाहिए।प्राचार्य महोदय के साथ में राजकीय महाविद्यालय के दीपेश कुमार जैन व्याख्याता ने भी संबोधन में यह कहा कि आजकल टेक्नोलॉजी का ज्ञान होना बहुत जरूरी है और राजस्थान सरकार की तरफ से जो आपको निशुल्क कोर्स कराया जा रहा है वैसे इसकी फीस 4200 रुपये है लेकिन आपको यह मौका मिला है निःशुल्क कोर्स करने का, तो इसका पूर्ण रूप से फायदा उठाएं इस डिजिटल युग में आगे बढ़ने को प्रोत्साहित किया इसी तरह से लज्जा रानी अग्रवाल जी ने भी महिलाओं और बालिकाओं के लिए इस कंप्यूटर कोर्स को रेगुलर करने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम के अंत में गायत्री कंप्यूटर सेंटर संचालक हुकमचंद महावर ने सभी को बैच प्रारंभ होने की समय सारणी बताई और आरएससीआईटी कंप्यूटर कोर्स के बारे में बताया कि किस तरह से इसकी क्लास यहां पर चलाई जाएगी सभी सूचनाओं के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। इस पूरे कार्यक्रम का मंच संचालन श्री दुष्यंत कुमार शर्मा जी ने किया । कार्यक्रम में उपस्थित अन्य अतिथिगण किरोड़ी लाल महावर, अंजू बुन्देल, नीरज महावर, प्रियंका महावर, रोहिणी महावर, नत्थो देवी आदि उपस्थित थे।

जीरे की फसल में छिपाया डोडा-पोस्त बरामदआरोपी गिरफ्तार

बढ़ता राजस्थान

बालोतरा,(कैलाश गोस्वामी)। जिले की सिणधरी पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ के खिलाफ कार्रवाई करते 20.800 किलोग्राम डोडा-पोस्त बरामद किया है। साथ ही एक इलेक्ट्रॉनिक नाप-तोल की मशीन जब्त की है। एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उससे मादक पदार्थ की खरीद-फरोख्त को लेकर पूछताछ कर रही है। पुलिस के अनुसार- गश्त के दौरान सूचना मिली थी कि पिपराला गांव में विनोद कुमार पुत्र ताजाराम निवासी एवाडी मानजी वाला अवैध मादक पदार्थ डोडा पोस्त की तस्करी करता है। उसके घर के पास जीरे की फसल बोई हुई है। उस खेत में बने पानी के टांके के पास भारी मात्रा में डोडा-पोस्त छिपा रखा है। सूचना पर सिणधरी थानाधिकारी सुरेश सारण मय जाब्ते ने गांव एवाडी मानजी में विनोद कुमार के जीरे की फसल के खेत में पहुंचे। थानाधिकारी मय जाब्ते ने पीछा कर रोककर नाम पता पूछा तो उसने अपना नाम विनोद कुमार (34) पुत्र ताजाराम निवासी एवाडी मानजी पुलिस थाना सिणधरी बालोतरा होना बताया।

सर्व समाज व हिन्दुवादी संगठनों के पदाधिकारियों ने दोषियों को फांसी देने की मांग की

ब्यावर में विजयनगर ब्लैकमेल कांड के विरोध में स्वैच्छिक ब्यावर बंद व आक्रोष रैली आयोजित की

बढ़ता राजस्थान

ब्यावर (विष्णु दत्त धीमान)। विजयनगर ब्लैकमेल कांड को लेकर ब्यावर में सोमवार को पूर्ण रूप से स्वैच्छिक बंद सफल रहा। इस बंद को विभिन्न राजनैतिक, सामाजिक, व्यापारिक एवं धार्मिक संगठनों सहित करीब 150 से अधिक संस्थाओं का समर्थन प्राप्त हुआ। बंद के दौरान स्कूल, कॉलेज, मेडिकल स्टोर एवं निजी चिकित्सालयों को इससे अलग रखा गया था। सुबह से ही चांग गेट पर हिंदूवादी संगठनों के पदाधिकारी एवं सर्व समाज के लोग एकत्रित हुए और शहरभर में बंद को सफल बनाने के प्रयास में जुटे। इस दौरान पुलिस प्रशासन ने भी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की थी, जिसमें करीब 250 से अधिक पुलिसकर्मी तैनात किए गए। ब्यावर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र शर्मा बंद की निगरानी में लगे रहे, जबकि सीओ राजेश कसाना और जैतारण के सीओ सत्येंद्र नेगी के नेतृत्व में पुलिस बल तैनात रहा। हिंदूवादी संगठनों और सर्व समाज के कार्यकर्ताओं ने शहर के विभिन्न बाजारों में घूमकर व्यापारियों से दुकानें बंद रखने का आग्रह किया। कुछ स्थानों पर मामूली कहासुनी हुई, लेकिन व्यापारियों ने बाद में स्वेच्छा से दुकानें बंद कर दीं। इस दौरान सब्जी मंडी, अनाज मंडी, महावीर बाजार, पाली बाजार, अग्रसेन बाजार, चांगगेट, अजमेरी गेट, सेंदड़ा रोड, अजमेर रोड, कॉलेज रोड सहित प्रमुख स्थान पूरी तरह से बंद रहे। इस विरोध प्रदर्शन में महिला संगठनों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया और धरना स्थल पर पहुंचकर समर्थन जताया। बंद को सफल बनाने में कोर कमेटी के गजराज आचार्य, संजय घीया, बंटी पाराशर, संजय पाराशर, आनंद सोनी, नरेश शर्मा, महेंद्र सिंह, सुधीर तोमर, अनिल भोजक, विजय लौंगानी, अश्विनी प्रजापति, एडवोकेट विजय पारीक, एडवोकेट संजय नाहर सहित अन्य कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण

भूमिका रही। दोपहर करीब ढाई बजे चांगगेट पर सर्व समाज व हिंदूवादी संगठनों के लोग एकत्रित हुए और नारेबाजी करते हुए जिला कलेक्टर कार्यालय की ओर रवाना हुए। प्रदर्शनकारियों ने रास्ते में जमकर नारे लगाए और भगवा ध्वज लहराते हुए कलेक्टर कार्यालय पहुंचे। वहां ज्ञापन पढ़कर सुनाया गया और पदाधिकारियों ने कलेक्टर के चैंबर में पहुंचकर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की।

खाटू श्याम मंदिर में विजया एकादशी पर दर्शनों के लिए भक्तों की उमड़ी भीड

बढ़ता राजस्थान

हिंडौन सिटी (अंशु गुप्ता)। हिंडौन सिटी श्री श्याम मंदिर सेवा धाम मोहन नगर में विजया एकादशी पर भक्तों की भीड़ उमड़ी मंदिर मे बाबा श्याम का कई प्रकार के फूलों की मालाओं से श्रृंगार किया।मंदिर में सुबह मंगला आरती के दौरान भी काफी भीड़ रही।दूरदराज क्षेत्रों से डीजे के साथ पदयात्रा पहुंची। मंदिर के प्रवेश और निकास के लिए द्वार पर मंदिर कमेटी द्वारा सुरक्षा के प्रबंध किए गए। इस दौरान मंदिर श्याम बाबा के जयकारों से गूंज उठा। मंदिर के सभी मार्गों पर शाम तक श्रद्धालुओं की चहल पहल बनी रही। मंदिर के बाहर खेल खिलौने, प्रसाद की दुकानों पर जमकर भीड़ रही। श्रद्धालुओं ने श्याम बाबा, गिर्राजधरण और राधा कृष्ण की छवि के दर्शन कर खुशहाली की मनौती मांगी। मंदिर परिसर फूलों से भर गया, सेवादार लगातार सफाई में जुटे रहे। श्याम बाबा की प्रतिमा को कृष्णा शास्त्री दीपक पंडित अमन पंडित ने भिन्न-भिन्न रंग के कारनेशन फूल , बेंगलुरु का गुलाब, कोलकाता का टाटा गुलाब, पुदीना, तुलसी, पीले रंग के पुष्पों की मालाओं से सजाया। बाबा श्याम के श्रृंगार दर्शन सुबह 5.30 बजे की मंगला आरती मे दर्शनों के लिए भक्तों की लगी रही भीड़।

रेलवे सुरक्षा बल के डीआईजी वी.सी. मल्लिकार्जुन का ब्यावर में भव्य स्वागत

बढ़ता राजस्थान

ब्यावर (विष्णु दत्त धीमान)। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के डीआईजी वी.सी. मल्लिकार्जुन के सोमवार को ब्यावर आगमन पर आरपीएफ जवानों ने भव्य स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने ब्यावर आरपीएफ थाने का निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया। निरीक्षण के दौरान डीआईजी मल्लिकार्जुन ने थाना परिसर की विभिन्न व्यवस्थाओं को जांचा और उन्हें पूर्ण रूप से सही पाया। उन्होंने बताया कि सभी रिकॉर्ड का संधारण समय पर किया जा रहा है और थाना प्रशासन चुस्त-दुरुस्त है। इसके अलावा, उन्होंने उपस्थित कर्मचारियों और बेरिकों से फीडबैक भी लिया। इस अवसर पर ब्यावर में तैनात इंस्पेक्टर नरेश कुमार ने डीआईजी को ब्यावर व आसपास के क्षेत्रों में हो रहे अपराधों और रेलवे से संबंधित अपराधों की स्थिति से अवगत कराया। डीआईजी के आगमन को लेकर थाना परिसर में विशेष व्यवस्थाएं की गई थीं। इस दौरे से ब्यावर रेलवे सुरक्षा बल के जवानों का मनोबल बढ़ा और सुरक्षा व्यवस्थाओं को और अधिक मजबूत करने पर जोर दिया गया।

आईजी किशन सहाय व अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी सचिन तंवर आज परबतसर में

बढ़ता राजस्थान

परबतसर (नि.स.)। पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) मानवाधिकार जयपुर किशन सहाय कल परबतसर के किनसरिया स्थित ज्ञान विहार स्कूल के वार्षिक उत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे, वे विद्यार्थियों व अभीभावको को संबोधित करेंगे, शाला प्रशासक नरेंद्र सिंह खोखर ने बताया कि 25 फरवरी को ज्ञान विहार स्कूल में वार्षिक उत्सव व विदाई समारोह मनाया जाएगा जिसमें आईजी किशन सहाय के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी सचिन तंवर भी विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे, साथ ही एडिशनल एसपी परबतसर जिनेंद्र जैन भी कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे, समारोह की अध्यक्षता शाला सचिव गिरधारी लाल मुंदलिया करेंगे ।

इस दौरान विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ-साथ प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को पुरस्कृत और भी किया जाएगा ।

हमारी भाषा व संस्कृति से ही समाज का अस्तित्व : राठौड़

चूरू महोत्सव के तीसरे दिन आयोजित हुआ साहित्य उत्सव, पूर्व मंत्री राजेन्द्र राठौड़, जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा, सीईओ श्वेता कोचर सहित अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों ने की शिरकत, साहित्यकारों व विषय विशेषज्ञों ने की चर्चा

बढ़ता राजस्थान

चूरू(सुरेश लाटा)। चूरू महोत्सव - 2025 के तीसरे दिन संवाद मंच में साहित्य उत्सव आयोजित किया गया। साहित्य उत्सव में पूर्व मंत्री राजेंद्र राठौड़, जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा, वासुदेव चावला, बसंत शर्मा, सीईओ श्वेता कोचर, एसडीएम बिजेन्द्र सिंह, बीदासर एसडीएम अमीलाल, विक्रम कोटवाद, अभिषेक चोटिया, दीनदयाल सैनी सहित जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने शिरकत की और साहित्य उत्सव में साहित्यकारों व विषय विशेषज्ञों ने विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी चर्चाओं से श्रोताओं का ध्यान आकर्षित किया और रोचक जानकारी साझा की। इस अवसर पर संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि हमारी भाषा व संस्कृति से ही समाज का अस्तित्व है। हमें अपनी भाषा के समक्ष चुनौतियों एवं भाषा के विकास क्षेत्र पर विशेष बल देना होगा। उन्होंने कहा कि समय के साथ विषयों और क्षेत्रों का नजरिया बदलता है। साहित्य, पत्रकारिता सहित विभिन्न क्षेत्रों में आज बड़ा बदलाव आया है। आज के साहित्य प्रेमी, पत्रकारिता क्षेत्र से जुड़े लोग एवं भावी पीढ़ी इस लोकतंत्र को जीवित रखने में अपनी बड़ी भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि चूरू के साहित्यकारों ने साहित्य व भाषा क्षेत्र में विशेष योग दिया है।

इस साहित्य, संस्कृति व भाषाई सौन्दर्य की बदौलत ही चूरू को छोटी काशी कहा जाता है। यहां के हनुमान प्रसाद पोद्दार ने गीता प्रेस की स्थापना की, वहीं जयदयाल गोयनका ने पत्रकारिता एवं धर्म क्षेत्र के आगे बढ़ाया। हम समय की परिस्थितियों को देखते हुए साहित्य, पत्रकारिता, संस्कृति पर विशेष फोकस करें और इनके और उन्नयन के लिए निरंतर प्रयासरत रहें। इस दौरान पूर्व मंत्री राठौड़, जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा, जिला उप प्रमुख महेंद्र न्यौल, वासुदेव चावला, बसंत शर्मा, सीईओ श्वेता कोचर, प्रशिक्षु आरएएस साक्षी पुरी, अभिषेक चोटिया, दीनदयाल सैनी, मदन गोपाल बालाण, प्रो कमल कोठारी, चूरू नगरपरिषद आयुक्त अभिलाषा सिंह आदि ने साहित्यकारों एवं विषय विशेषज्ञों को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान किया। अतिथियों ने डीडीपीआर कुमार अजय की पुस्तक आत्माओं में घुले दुःख का विमोचन किया।

बालोतरा- बजट घोषणाओं पर समीक्षा बैठक : जिला प्रभारी मंत्री जोराराम कुमावत ने दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

गुणवत्ता एवं समयबद्ध तरीके से बजट घोषणाओं की प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें : जोराराम

बढ़ता राजस्थान

बालोतरा,(कैलाश गोस्वामी)। पशुपालन, गोपालन डेयरी एवं देवस्थान विभाग मंत्री तथा जिला प्रभारी मंत्री श्री जोराराम कुमावत ने बजट घोषणाओं का क्रियान्वयन प्राथमिकता से करने के निर्देश देते हुए कहा कि इसके लिए समयबद्धता, गुणवत्ता एवं पारदर्शिता के साथ दायित्व निभाएं और योजनाओं को मूर्त रूप प्रदान करें। प्रभारी मंत्री ने रविवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में बालोतरा जिले से संबंधित बजट घोषणाओं की क्रियान्विति एवं विकास योजनाओं की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह निर्देश दिए। बैठक में जिला प्रभारी सचिव श्री हरी मोहन मीणा, राज्यसभा सांसद श्री राजेंद्र गहलोत, पचपदरा विधायक डॉ. अरुण चौधरी, सिवाना विधायक हम्मीर सिंह भायल, जिला कलक्टर श्री सुशील कुमार यादव, पुलिस अधीक्षक हरी शंकर, उपखंड अधिकारी अशोक कुमार, जनप्रतिनिधि एवं समस्त जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। जिला प्रभारी मंत्री श्री कुमावत ने अधिकारियों को इस बारे में निर्देशित किया कि बजट घोषणाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में किसी भी स्तर पर शिथिलता स्वीकार्य नहीं होगी। इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी विभागीय अधिकारी जनहितकारी योजनाओं को शीघ्र धरातल पर उतारने के लिए सक्रियता प्रदर्शित करें।

बैठक में प्रमुख बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा : बैठक में बजट घोषणा वर्ष 2025-26 के सम्बन्ध में भूमि आवंटन/उपलब्धता/चिन्हीकरण की स्थिति, भूमि आवंटन एवं निर्माण कार्य से पूर्व संस्थानों को प्रारम्भ किये जाने के लिए वैकल्पिक/किराये के भवनों का चयन, विभिन्न विभागों के सम्बन्ध में वर्ष 2024-25 के लिए की गयी बजट घोषणाओं की प्रगति, ग्रीष्म ऋतु में पेयजल आपूर्ति की स्थिति एवं आवश्यक कार्य योजना, राइजिंग राजस्थान के एमओयू के क्रियान्वन की स्थिति एवं जिले से सम्बंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा करते हुए इनके बारे में विस्तार से निर्देश दिए गए।

बजट घोषणाओं की क्रियान्विति में तेजी लाएं : प्रभारी मंत्री श्री कुमावत ने निर्देश दिए कि योजनाओं के लिए आवश्यक भूमि चिन्हीकरण एवं आवंटन की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि निर्धारित मानकों के अनुरूप प्राथमिकता के आधार पर भूमि चयन एवं आवंटन सुनिश्चित किया जाए।

पेयजल प्रबंधन एवं ग्रीष्म ऋतु की पूर्व तैयारी पर जोर : प्रभारी मंत्री ने आगामी गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए जलापूर्ति प्रबंधन को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए और कहा कि पेयजल संकट से निपटने के लिए जिला प्रशासन एवं जलदाय विभाग समय रहते प्रभावी रणनीति तैयार करें, जल स्रोतों की मरम्मत एवं जल वितरण व्यवस्था को व्यवस्थित किया जाए।

बिजयनगर रेप ब्लैकमेल कांड के विरोध में सोमवार को केकड़ी शहर रहा पूर्ण बंद

सर्व समाज के सैंकड़ों आक्रोशित लोगों ने रैली निकाल किया जोरदार प्रदर्शन

बढ़ता राजस्थान

केकड़ी (संजय कटारिया)। बिजयनगर में नाबालिग स्कूली छात्राओं को जाल में फांसकर शारीरिक शोषण करने, ब्लैकमेल करने और धर्मांतरण का दबाव बनाने के मामले में दोषियों को कठोरतम सजा देने की मांग को लेकर सर्वसमाज के आह्वान पर सोमवार को आयोजित केकड़ी बंद पूर्णत: सफल रहा। बंद को स्थानीय व्यापारिक संगठनों ने पूर्ण समर्थन दिया। जिसके चलते बाजार सुनसान पड़े रहे। मेडिकल सेवाओं के अलावा कोई भी प्रतिष्ठान नहीं खुला। बंद के तहत शहर के दुकानदारों, व्यापारियों सहित चाय की थड़िया व सब्जी के ठेले वालों ने भी अपना कारोबार बंद रखा। बंद के तहत शहर के शिक्षण संस्थानों में भी अवकाश रखा गया।

बंद को लेकर सुबह सर्वसमाज के सैंकड़ों लोग घंटाघर पर एकत्रित हुए और यहां अनौपचारिक सभा हुई। सभा में अनिल राठी, हीराचंद खूंटेटा, हरिप्रसाद मुंशी, राजेन्द्र चौधरी, रामदेव माली, महेश बोयत, उमरावमल सोलंकी, चांदमल जैन, नवल किशोर पारीक एडवोकेट, दशरथसिंह एडवोकेट, राजेन्द्र विनायका आदि वक्ताओं ने बिजयनगर में हुई घटना के दोषियों को अधिकतम कठोर सजा देने की मांग करते हुए कहा कि कतिपय लोग सामाजिक समरसता को समाप्त कर राजस्थान के आम जनजीवन को गंदा करने पर तुले हुए हैं। ये जघन्य अपराधी हैं। वक्ताओं ने यह भी कहा कि ऐसी घटनाओं का होटल व कैफे मुख्य केंद्र बन रहे हैं। इनके खिलाफ भी कड़ी कानूनी कार्यवाही करनी चाहिए। प्रशासन ऐसे स्थानों की नियमित जांच करें। बाद में सैंकड़ों लोगों ने घंटाघर मुख्य चौराहे से रैली निकाली। रैली में ब्लैकमेल कांड के दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की मांग करते हुए जमकर नारे लगाए गए। रैली घंटाघर से शुरू होकर सदर बाजार, गणेश प्याऊ, खिड़की गेट, सरसडी गेट, पाल टाकीज रोड़, बस स्टैंड होते हुए कोर्ट परिसर पहुंची, जहां उपखण्ड अधिकारी सुभाषचन्द हेमानी को मुख्यमंत्री के नाम सैंकड़ों लोगों द्वारा हस्ताक्षरित ज्ञापन सौंपा गया। इस मौके पर सकल हिंदू समाज के रामावतार जाट, ऋषिराज चौधरी, दशरथ तेली, सुरेश तेली, पृथ्वीराज जीनगर, हीराचंद खुटेटां, चंद्र प्रकाश विजय, काशीराम विजय, सिंटू शर्मा, अजय शर्मा, नवीन सोनी, अनुराग शर्मा, मोहित सिखवाल, रितेश जैन, राजेंद्र चौधरी और दिनेश वैष्णव, राजेंद्र विनायका सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

छात्राओं के साथ हुई दुष्कर्म की घटना शर्मसार करने वाली : सर्वसमाज की ओर से दिए ज्ञापन में कहा गया कि बिजयनगर में छात्राओं के साथ हुई दुष्कर्म की घटना शर्मसार करने वाली है। ऐसा जघन्य अपराध करने वाले दोषियों और उन्हें प्रश्रय देने वाले तत्वों की शीघ्र धरपकडकर, उन्हें कठोर दंड दिया जाए। ज्ञापन में बिजयनगर कांड की तीव्र भतर्सना करते हुए कहा गया कि अबोध बालिकाओं के साथ दुष्कर्म, शोषण और धर्मांतरण जैसी घटनाएं सभ्य हिंदू समाज के लिए स्वीकार नहीं है। इस दौरान बिजयनगर के दोषियों को फांसी दो, बहन बेटियों पर अत्याचार, नहीं सहेगा हिंदुस्तान एवं भारत माता की जय व वन्देमातरम के जमकर नारे लगाए गए। रैली के दौरान एहतियात के तौर पर पुलिस उपअधीक्षक हर्षित शर्मा व केकड़ी सीटी थाना अधिकारी कुसुमलता मीणा व केकड़ी सदर थाना अधिकारी नाहरसिंह मीणा मय पुलिस जाप्ता के मौजूद थे। इस दौरान राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय जिला शाखा केकड़ी द्वारा भी बिजयनगर कांड को लेकर संघ के प्रदेशव्यापी कार्यक्रम के तहत उपखण्ड अधिकारी को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया गया, जिसमें मांग की गई कि इस मामले में ऐसी कठोर कार्यवाही हो, जिससे ऐसे पाशविक उन्माद से विकृत तत्वों का समूल उन्मूलन हो सके। इस मामले की फास्ट ट्रैक न्यायालय में शीघ्र कानूनी प्रक्रिया पूर्ण कर सभी आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। इसी सम्बन्ध में विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल द्वारा भी ज्ञापन दिया गया। बिजयनगर की घटना के विरोध में सोमवार को केकड़ी शहर के अलावा क्षेत्र के सरवाड़, सावर, भिनाय व बघेरा कस्बे भी पूर्णतया बंद रखे गए।

वेदपीठ परिसर में महाशिवरात्रि पर 1 लाख 51 हजार पार्थिव शिवलिंग का होगा महारूद्राभिषेक

बढ़ता राजस्थान

चित्तौड़गढ़ (नि.स.)। मेवाड़ के प्रसिद्ध श्री शेषावतार कल्लाजी वेदपीठ द्वारा अपनी परंपरा अनुसार कल्याणेश्वरमहादेव एवं ठाकुर श्री कल्लाजी की महति अनुकम्पा से फाल्गुन कृष्णा त्रयोदशी के पावन अवसर पर वेदपीठ परिसर में महाशिवरात्रि का आयोजन किया जा रहा हैं। जिसकी सभी तैयारियां पूर्ण हो चुकी हैं। वेदपीठ के प्रवक्ता ने बताया कि भगवान भोलेनाथ की कृपा प्राप्ति के लिए अब तक 251 यजमान युगलों द्वारा महारूद्राभिषेक में भागीदारी के लिए पंजीयन करवाया जा चुका हैं। ओम नम: शिवाय के पुरुश्चरण जाप अनरवत शिवरात्रि को होंगे।

एक लाख 51 हजार पार्थिव शिवलिंग का होगा महारूद्राभिषेक : बुधवार महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर वेदपीठ परिसर में एक लाख 51 हजार पार्थिव शिवलिंग का 21 द्रव्यों से वैदिक मंत्रोच्चार के साथ महारूद्राभिषेक किया जाएगा। वेदपीठ के आचार्यों के मार्गदर्शन में बटुकों एवं शिल्पियों द्वारा पार्थिव शिवलिंग एवं जलहरियों का निर्माण किया गया हैं। वेदपीठ के प्रवक्ता ने बताया कि ठाकुर जी की संध्या महाआरती के पश्चात चार प्रहर के धार्मिक अनुष्ठान का शुभारंभ किया जाएगा। इस दौरान श्रद्धालु कई प्रकार के पदार्थों को न्यौछावर करने के साथ ही भगवान आशुतोष का उनके प्रिय 21 द्रव्यों से महारूद्राभिषेक किया जाएगा। द्रव्यों में शुद्ध जल, कुशोदक, गन्ना रस, शहद, दूध, शक्कर, मिश्रित जल, सरसो, तेल, घी, दही, तीर्थ जल, आमरस, छाछ, दुर्वारस, सात फ्लो का रस, गाय का दूध, केसर, विजया, भांग, इत्र, चमेली का तेल, चंदन और बिल्व फल का रस इन द्रव्यों के द्वारा शिवरात्रि पर विभिन्न मनोकामना हेतु महारुद्राभिषेक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि भौर तक चलने वाले इस अनुष्ठान के पश्चात श्रद्धालुओं एवं भक्तों को 108 रूद्राक्ष की मालाएं सुलभ कराई जाएगी। इससे पूर्व भगवान शिव की महाआरती कर प्रसाद वितरण किया जाएगा। महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य पर ठाकुर जी का महादेव स्वरूप में मनमोहक श्रृंगार किया जाएगा।

संस्कार केंद्र समिति जिला सम्मेलन आयोजित

'घर की चिंता के साथ-साथ समाज, राष्ट्र का चिंतन भी हो'

बढ़ता राजस्थान

चित्तौड़गढ़ (नि.स.)। विद्या निकेतन गांधीनगर में संस्कार केंद्र समिति सम्मेलन संपन्न हुआ। कार्यक्रम में 10 स्थानों से 125 समिति सदस्यों की सहभागिता रही। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग प्रचारक सत्यनारायण ने कहा कि वर्तमान समय में भारतीयों के पास धन, वैभव, भौतिक संसाधन तो बढे हैं पर संस्कारों में बहुत कमी आई है। भारतीय संस्कृति विश्व की प्राचीनतम संस्कृति है अतः हमें अन्य देशों से अच्छी बातें तो स्वीकार करनी चाहिए, परंतु अपने देश की गौरवशाली परंपरा और जीवन मूल्यों को नहीं भूलना चाहिए। हाथ की अंगूलियों का उदाहरण देते हुए कहा कि सभी संयुक्त रूप से मिलकर ही किसी भारी वस्तु को उठा सकती है उसी प्रकार संगठित समाज ही सशक्त भारत का आधार है। प्रांत संस्कार केंद्र प्रमुख प्रभात आमेटा ने विद्या भारती की संघठनात्मक जानकारी देते हुए संस्कार केंद्र के प्रमुख कार्यक्रमों का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि समिति के सहयोग से ही संस्कार केंद्र प्रभावी व परिणामकारी बन सकते हैं। समापन समारोह में मुख्य वक्ता विद्या भारती चित्तौड़ प्रांत मंत्री सुरेंद्र कुमार अरोड़ा ने अपने बौद्धिक में कहा संघ के शताब्दी वर्ष में पांच परिवर्तन सामाजिक समरसता, पर्यावरण, कुटुंब प्रबोधन, स्व का भाव और नागरिक शिष्टाचार के माध्यम से समाज परिवर्तन का सभी ने संकल्प लिया है। इन सभी बातों की शुरुआत अपने घर से हो, अपना घर आदर्श हिंदू घर बने प्रतिदिन घर पर परिवार के सभी लोगों का भजन व भोजन साथ हो, घर में सभी सदस्यों के साथ बैठकर साप्ताहिक मंगल संवाद भी होना चाहिए। घर की चिंता के साथ-साथ समाज, राष्ट्र का चिंतन भी हो धीरे-धीरे परिवार में अधिकारों के स्थान पर कर्तव्य बोध हो। कार्यक्रम की प्रस्तावना एवं अतिथि परिचय जिला संस्कार केंद्र प्रमुख दिनेश चंद्र भट्ट ने रखा। संचालन जीवराज साहू ने तथा अतिथियों का स्वागत महेंद्र सिंह राठौड़ अंबिका प्रसाद जायसवाल एवं अभय सोमानी ने किया। इस अवसर पर जिला सचिव कैलाश चंद्र शर्मा भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में संस्कार केंद्र के बच्चों ने जल संरक्षण एवं सावित्रीबाई फुले के जीवन पर जीवंत नाटिका प्रस्तुत की। शांति मंत्र से समिति सम्मेलन का समापन हुआ।

'एम्पॉवरिंग यूथ' प्रशिक्षण जेसीआई बूंदी ऊर्जा ने आदर्श स्कूल के छात्रों के लिए किया आयोजित

बढ़ता राजस्थान

बूंदी (अनन्त दाधीच)। जेसीआई बूंदी ऊर्जा ने साप्ताहिक ट्रेनिंग के अंतगर्त आदर्श स्कूल, के छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण एम्पॉवरिंग यूथ प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को आत्मविश्वास, नेतृत्व कौशल और व्यक्तिगत विकास के लिए आवश्यक उपकरण प्रदान करना था। जे सी आई ऊर्जा की ट्रेनिंग उपाध्यक्ष कृष्णा श्रृंगी ने बताया यह प्रशिक्षण कोटा से पधारी दिव्या गर्ग के द्वारा दिया गया इस प्रशिक्षण का शीर्षक गोल सेटिंग था। यह प्रशिक्षण छात्रों के लिए एक प्रेरणादायक और ज्ञानवर्धक अनुभव रहा, जिसमें उन्होंने विभिन्न विषयों पर चर्चा की, जिनमें शामिल हैं- आत्मविश्वास निर्माण- छात्रों को अपनी क्षमताओं पर विश्वास करना सिखाया गया और उन्हें सार्वजनिक बोलने और प्रस्तुति कौशल में सुधार करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। व्यक्तिगत विकास- छात्रों को अपने लक्ष्यों को निर्धारित करने, समय प्रबंधन और सकारात्मक सोच विकसित करने के लिए प्रेरित किया गया। जेसीआई बूंदी ऊर्जा के अध्यक्ष अंशुल जैन ने कहा, हमारा उद्देश्य युवाओं को सशक्त बनाना है ताकि वे अपने जीवन में सफल हो सकें और समाज में सकारात्मक योगदान दे सकें। यह प्रशिक्षण छात्रों को उनके भविष्य के लिए तैयार करने में मदद करेगा।

आदर्श स्कूल के प्रधानाचार्य संजय ने जेसीआई बूंदी ऊर्जा के प्रयासों की सराहना की और कहा, यह प्रशिक्षण हमारे छात्रों के लिए बहुत मूल्यवान रहा है। उन्होंने महत्वपूर्ण जीवन कौशल सीखे हैं जो उन्हें भविष्य में मदद करेंगे। इस अवसर पर सचिव अंकिता नवल, सिंपल भंडारी आदि भी उपस्थित रहे।

न्यायालय भवन में टारगेटेड प्रकरणों के निस्तारण को लेकर बार बेंच की बैठक संपन्न हुई

बढ़ता राजस्थान

चौमहला (आबिद हुसैन)। माननीय राजस्थान राज्य उच्च न्यायालय द्वारा राष्ट्रीय कार्ययोजना के तृतीय चरण के तहत टारगेटेड केसेज के निस्तारण एवं आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत 08.03.25 हेतु राजीनामे के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा प्रकरणों को राजीनामे के माध्यम से निपटाने बाबत न्यायालय भवन चौमहला में न्यायाधीश राजपाल मीना(वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश एवं अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट) की अध्यक्षता में बार संघ चौमहला के साथ आवश्यक मीटिंग संपन्न हुई। मीटिंग में न्यायाधीश ने बार संघ के अधिवक्तागण को टारगेटेड केसेज को प्राथमिकता से लेकर निस्तारण करने एवं आगामी वर्ष 2025 की प्रथम राष्ट्रीय लोक अदालत हेतु राजीनामा योग्य प्रकरणों में ज्यादा से ज्यादा लोक अदालत की भावना से प्रकरणों को निस्तारित करवाने में सहयोग करने बाबत आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

साथ ही न्यायाधीश ने अवकाशागार में वृताधिकारी गंगधार जयप्रकाश अटल, थानाधिकारी गंगधार अमरनाथ जोगी, थाना उन्हेल इंचार्ज एएसआई पूरी लाल वर्मा आदि से आगामी लोक अदालत हेतु पक्षकारों को जारी नोटिसों की तामील उचित रूप से करवाने बाबत आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान बैठक में अध्यक्ष बार संघ भूपेंद्र सिंह, सचिव प्रशांत सोनी, कोषाध्यक्ष गोविंद सिंह वरिष्ठ अधिवक्ता सत्यनारायण जोशी, मानसिंह,रतनलाल राठौर, लियाकत अली,अनवर खान,एहसान मंसूरी,भेरूलाल राठौर,रामचंद्र सिंह झाला,राजेंद्र छानवाल,असगर अली, यशवंत सिंह परमार,शिवराज सिंह,रघुनाथ सिंह,आदित्य कटारिया,कमल सिंह,नेपाल सिंह सहित अधिवक्ता गण उपस्थित रहे।

राजस्थान पुलिस के सेवानिवृत हैड कानि. स्वर्गीय रामलाल बैरवा की तीसरी पुण्य तिथि पर एक दिवसीय निःशुल्क चिकित्सा परामर्श जांच एवं भर्ती शिविर 28 फरवरी को

बढ़ता राजस्थान

चित्तौड़गढ़ (नि.स.)। राजस्थान पुलिस के सेवानिवृत हैड कानि. स्वर्गीय रामलाल बैरवा की तीसरी पुण्य तिथि के अवसर पर एक दिवसीय निःशुल्क चिकित्सा परामर्श जांच एवं भर्ती शिविर का आयोजन निम्बाहेड़ा कोतवाली थाना पुलिस के सहायक उपनिरीक्षक सूरज कुमार द्वारा 28 फरवरी को अपने पैतृक गांव नेगड़िया कलां तहसील बस्सी जिला चित्तौड़गढ़ में आयोजित किया जाएगा। एएसआई सूरज कुमार ने बताया कि 28 फरवरी गुरुवार को प्रात: 9.30 से दोपहर 2.30 बजे तक रखा गया है। शिविर में पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल उदयपुर की स्पेशलिस्ट चिकित्सकीय टिम रोगियों के स्वास्थ से जुड़ी समस्याओं के लिए परामर्श देंगी। शिविर में जांचों एवं ऑपरेशन के लिए चयनित हुए रोगियों को बस द्वारा निःशुल्क पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल उदयपुर ले जाया जाएगा। जहां निःशुल्क भर्ती परामर्श के साथ रहना - खाना, सभी प्रकार के निःशुल्क ऑपरेशन, निःशुल्क ईसीजी, एक्सरे, सिटी स्कैन, सोनोग्राफीय, इको कार्डियोग्राफी, मेमोग्राफी सहित सभी प्रकार कि जांचे, निःशुल्क बच्चेदानी का ऑपरेशन, सिलिकोसिस बीमारी से पीड़ित रोगियों के लिए निःशुल्क स्पायरोमेट्री की जांच की जाएगी। इसी के साथ निःशुल्क मोतियाबिंद का ऑपरेशन लेंस सहित सभी प्रकार के ऑपरेशन एवं कमर व घुटनों के दर्द का उपचार डेंगू, मलेरिया एवं टाईफाइड एवं अन्य बीमारियों का उपचार कील, मुंहासे, सफेद दाग एवं चर्मरोगों का उपचार सहित सभी तरह के बच्चों के रोगों का उपचार व सभी प्रकार के ऑपरेशन एवं बहरेपन का उपचार सभी तरह की स्त्रियों के रोगों का उपचार एवं डिलीवरी की सुविधा टीबी एवं सिलिकोसिस बीमारी का उपचार एवं सभी प्रकार के सामान्य ऑपरेशन व दांतों की जांच एवं उपचार किए जाएंगे।

मूर्ति स्थापना को लेकर गुरु रविदास राधाकृष्ण मंदिर मातृकुंडिया में बैरवा समाज की बैठक संपन्न

बढ़ता राजस्थान

कपासन (नि.स.)। आम मेवाड़ बैरवा समाज की बैठक का गुरु रविदास राधाकृष्ण मंदिर प्रांगण मातृकुंडिया में किया गया।जिसमे समाज के गणमान्य सदस्यों की उपस्थिति में मूर्ति स्थापना एवं अन्य व्यवस्थाओं से जुड़े अहम निर्णय लिये गये।बैठक में मूर्ति स्थापना का शुभ मुहूर्त तय हुआ।जिसके तहत मूर्ति स्थापना का पावन कार्य वैशाख शुद 6 शनिवार,3 मई 2025 प्रात: 9 बजे मंदिर प्रांगण में संपन्न किया जायेगा।साथ ही मूर्ति स्थापना में सहयोगी रहे भामाशाओ के नाम भामाशाह पट्टी पर अंकित किये जायेगे।

यज्ञ में आहुति प्रदान करने वाले प्रत्येक जोड़े के लिए 2100 रु. सहयोग राशि निर्धारित करने सहित आगामी आम बैठक फाल्गुन शुदी 3 रविवार 2 मार्च 2025 प्रात: 11 बजे गुरु रविदास राधाकृष्ण मंदिर प्रांगण में आयोजित की जायेगी। उक्त बैठक में भाग लेने हेतु समाजजनो को सादर आमंत्रित किया गया है।

आज भारत विकास परिषद कपासन का 111 सदस्यों द्वारा वार्षिक निर्वाचन किया जायेगा

बढ़ता राजस्थान

कपासन(नि.स.)। भारत विकास परिषद कपासन का वार्षिक निर्वाचन 25 फरवरी को प्रांतीय पर्यवेक्षक के सानिध्य में भाविप के 111 सदस्यों द्वारा किया जायेगा। भारत विकास परिषद शाखा कपासन के अध्यक्ष कमल कुमार दाधीच ने बताया कि भारत विकास परिषद की कपासन शाखा का वार्षिक निर्वाचन 25 फरवरी रात्री 7 बजे नगर में स्थित रामलालजी सोमानी धर्मशाला मे प्रांतीय पर्यवेक्षक दिलीप सिंह के सानिध्य में संपन्न होंगे। इस दौरान अध्यक्ष,सचिव एवं कोषाध्यक्ष का निर्वाचन भारत विकास परिषद के 111 सदस्यों द्वारा किया जायेगा। भारत विकास परिषद के प्रांतीय अध्यक्ष गिरीश पानेरी द्वारा पीठ सिमलवाड़ा मे 2 मार्च को आयोजित होने वाली प्रांतीय कार्यकारिणी बैठक मे शाखा कपासन अध्यक्ष,सचिव,कोषाध्यक्ष व प्रांतीय प्रभारियो से उक्त बैठक में उपस्थित होने का आग्रह किया गया।इस बैठक में वर्ष 2024-2025 में भारत विकास परिषद के विभिन्न प्रकल्पो मे श्रेष्ठ कार्य करने वाली शाखाओ को सम्मानित किया जायेगा।

अवैध देशी कट्टे के साथ दुल्ला लाल मेहर को पुलिस ने किया गिरफ्तार

बढ़ता राजस्थान

चौमहला (आबिद हुसैन)। झालावाड़ जिले के गंगधार पुलिस ने अवैध देशी कट्टे के साथ दुल्ला लाल मेहर को गिरफ्तार किया। जिला पुलिस अधीक्षण ऋचा तोमर ने बताया कि जिले में अवैध कार्यों की रोकथाम के लिए अभियान चलाया जा रहा है।अभियान के अंतर्गत अवैध हथियार रखने वाले बदमाशों के खिलाफ कार्यवाही करने के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चिरंजी लाल मीणा के निर्देशन में उप पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश अटल के सुपरविजन में थानाप्रभारी अमर नाथ जोगी के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया ,पुलिस टीम ने सोमवार को क्षेत्र के आक्या परमार तिराहे से आक्या परमार निवासी दुल्ला लाल मेहर पुत्र बसंतलाल जाती मेहर उम्र 57 को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से अवैध देशी कट्टा 315 बोर जप्त कर आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज किय। पुलिस टीम में थाना प्रभारी अमरनाथ जोगी, ए एस आई मगनलाल,कांस्टेबल राकेश कुमार,विनोद कुमार,भीकम सिंह, बृजेश कुमार,रघुवीर सिंह शामिल रहे।

देवनारायण बोर्ड अध्यक्ष भडाणा ने किया विद्यालय, छात्रावास का निरीक्षण

12 अनुपस्थित छात्रों की एन्ट्री नहीं होने पर वार्डन को थमाया नोटिस

बढ़ता राजस्थान

सवाई माधोपुर (राकेश शर्मा)। देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष एवं प्रदेश महामंत्री ओमप्रकाश भडाणा ने गत दिवस देवनारायण राजकीय बालिका आवासीय विद्यालय चौथ का बरवाड़ा एवं राजकीय देवनारायण आदर्श (बालक) छात्रावास चौथ का बरवाड़ा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष ओमप्रकाश भडाणा ने विद्यालय एवं छात्रावास में कार्यरत वार्डन, शारीरिक शिक्षक, पुस्तकालय अध्यक्ष, प्रयोगशाला सहायक, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी आदि के स्वीकृत पदों की जानकारी लेते हुए वर्तमान में कार्यरत स्टाफ की जानकारी ली एवं रिक्त पदों पर विद्या संबल योजना के तहत गैस्ट फैकल्टी के माध्यम से विद्यार्थियों को गुणवत्तपूर्ण शिक्षा प्रदान करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों के उपस्थिति पंजिका की जांच कर छात्रावास में रह रहे छात्रों की जानकारी ली। उन्होंने 12 अनुपस्थित छात्रों की एन्ट्री ने आवक-जावक रजिस्टर में नहीं होने को गम्भीरता से लिया और मौके पर ही छात्रावास वार्डन अशोक मीणा को नोटिस जारी करने के निर्देश उप निदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग मीना आर्य को दिए। उन्होंने कहा कि देवनारायण छात्रावासों एवं विद्यालय में सरकार की गाइडलाईन अनुसार पारदर्शिता के साथ सभी वर्गों की छात्राओं को प्रवेश दिया जाए। निरीक्षण के दौरान, अध्यक्ष ने विद्यालय एवं छात्रावास में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं से संवाद कर रहने, खान-पान भोजन की गुणवत्ता और छात्रावास में किसी प्रकार की समस्या के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने छात्रावास के रसोई, बाथरूम एवं टॉयलेट की सफाई व्यवस्था निरीक्षण किया। शौचालय-बाथरूम का निरीक्षण कर उचित साफ-सफाई नही होने के संबंध में असंतोष व्यक्त किया गया तथा उचित साफ-सफाई निर्देश प्रदान किये गये एवं असंतोष जनक कार्य निष्पादन करने वाले कार्मिकों के विरूद्ध कार्यवाही किये जाने के निर्देश प्रदान किए। इस दौरान उन्होंने विद्या संबल योजना के तहत विद्यार्थियों के लिए अध्ययन सुविधा, पुस्तकालय, खेल मैदान आदि के संबंध में जानकारी लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने छात्रावास में भोजन शाला का निरीक्षण खाद्य सामग्री की गुणवत्ता जांची। साथ ही उन्होंने रसोई घर में नियमित रूप से साफ-सफाई रखने के निर्देश प्रदान किए।

जल जीवन मिशन के कार्यो में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें : शुभम

बढ़ता राजस्थान

सवाई माधोपुर (राकेश शर्मा)। जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक सम्पन्न जल जीवन मिशन के अंतर्गत जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला कलक्टर शुभम चौधरी की अध्यक्षता में हुई। जिला कलक्टर ने जल जीवन मिशन के कार्यों को गुणवत्तापूर्ण करने एवं इनके समय-समय पर निरीक्षण के निर्देश दिए।

बैठक में जिला कलक्टर ने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत कार्यो में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें एवं विभागीय अधिकारी समय-समय निरीक्षण करें। पाइप लाइन बिछाते समय एवं बिछाने से पूर्व संबंधित विभाग की एनओसी के माध्यम से अनुमति लेकर ही सडक तोडने की कार्यवाही शुरू करें। कार्य पूर्ण होने पर उसकी तत्काल मरम्मत करवाएं। विभाग की ओर से की जा रही जलापूर्ति की समय-समय जांच करें।

बैठक में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधीक्षण अभियंता एवं मिशन के सदस्य सचिव भगवान सहाय मीणा ने विभाग की ओर से प्रस्तुत रिपोर्ट में बताया कि जिले में 453 गांवों के लिए 366 योजनाएं स्वीकृत हैं। इनमें से 447 गांवों के लिए 362 योजनाओं की निविदाएं आमंत्रित हो चुकी हैं और 447 गांवों के लिए 362 योजनाओं के कार्य आदेश भी जारी हो चुके हैं। अब तक 269 योजनाओं के कार्य पूर्ण हो चुके हैं एवं 73 योजनाओं के कार्य प्रगति पर हैं। अधीक्षण अभियंता ने जल जीवन मिशन कार्यक्रम के अंतर्गत ब्लॉक वार क्रियाशील घरेलू जल संबंध (एफएचटीसी) व हर घर जल प्रमाणीकरण की प्रगति से अवगत करवाया।

जिला कलक्टर ने कहा कि जल जीवन मिशन योजना के निर्माण कार्यो के दौरान खोदी गई सड़कों के प्रक्रियाधीन व लंबित मरम्मत कार्यो की जानकारी लेते हुए गुणवत्तापूर्ण मरम्मत कार्य करवाने के निर्देश अधीक्षण अभियंता जलदाय विभाग को प्रदान किए। साथ ही समस्त अधिशाषी अभियंताओं से मरम्मत कार्य पूर्ण होने के प्रमाण पत्र आगामी बैठक में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। बैठक में अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी शैलेन्द्र सिंह, सहायक कलक्टर रूबी अंसार, अधीक्षण अभियंता जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग वृत गंगापुर सिटी, उप निदेशक आईसीडीएस प्रियंका शर्मा, अतिरिक्त सीएमएचओ डॉ. कैलाश सोनी सहित संबंधित विभागीय अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित रहे।

7वें कामन रिव्यू मिशन टीम ने विकास कार्यो का लिया जायजा

बढ़ता राजस्थान

सवाई माधोपुर (राकेश शर्मा)। भारत सरकार के निर्देशानुसार 7वें कामन रिव्यू मिशन टीम द्वारा जिले की पंचायत समिति सवाई माधोपुर व बौंली की विभिन्न ग्राम पंचायतों में भ्रमण कर ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग व अन्य विभाग राजीविका, सार्वजनिक निर्माण विभाग की विभिन्न योजनाओं के विकास कार्यो का जायजा लिया गया। टीम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण विकास कार्यक्रमों की कार्यप्रणाली, कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में आ रही चुनौतियों, संबंधित मुद्दों एवं बेस्ट प्रेक्टिस दस्तावेज तैयार किया जाना है। सीआरएम टीम के डॉ. अभय कुमार एवं मोमीता सरकार भारत सरकार के अधिकारी एवं राजेन्द्र कुमार शर्मा अधिशाषी अभियंता (ई.जी.एस.) राज्य सरकार राजेश कुमार शर्मा अधीक्षण अभियंता गुण नियंत्रण, ग्रामीण विकास विभाग, जयपुर द्वारा भ्रमण के दौरान पंचायत समिति सवाई माधोपुर की ग्राम पंचायत गम्भीरा का अमृत सरोवर तालाब, ग्राम पंचायत जीनापुर में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना का निरीक्षण किया गया साथ ही ग्राम पंचायत बाडोलास में (जल जीवन मिशन) के तहत जिला स्तरीय जल भ्रमण रथ यात्रा पर सीआरएम टीम द्वारा आम जनता को जल जीवन मिशन का महत्व व इसके उपयोगी होने की ग्रामीणों से चर्चा की गई। किसानों के जीवन में आर्थिक व सामाजिक उन्नति होने की जानकारी दी गई। ग्राम पंचायत बाडोलास में राजीविका के तहत संचालित स्वयं सहायता समूह की स्थानीय महिलाओं द्वारा किये गये उत्पादकों की स्टॉल प्रदर्शनी का अवलोकन टीम द्वारा किया गया। शिल्पग्राम शेरपुर में राजीविका एस.एच.जी. महिलाओं द्वारा संचालित दुकानों का अवलोकन किया गया। समूह में सम्मिलित ग्रामीण महिलाओं की आर्थिक एवं सामाजिक उत्थान के बारे में चर्चा करते हुए जीवन में आने वाली चुनौतियों का सामना कैसे किया जाए की जानकारी दी गई। टीम द्वारा उद्यान विकास कार्य (नरेगा) खिलचीपुर के राजीव गांधी सेवा केन्द्र परिसर कार्य, व पंचायत लर्निंग सेन्टर (आरजीएसए) एवं खैल मैदान विकास कार्य (नरेगा) का निरीक्षण किया गया साथ ही स्वयं सहायता समूह के सदस्यो हेतु सामुदायिक कार्यशाला निर्माण का भी अवलोकन किया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना पर ग्रामीणों से चर्चा की गई। महिला व बच्चों के सर्वांगीण विकास जैसे मुद्दो पर चर्चा की गई। टीम द्वारा 23 फरवरी को ब्लॉक पंचायत समिति बौली की ग्राम पंचायत झनून में केन्द्रीय अंशदान से कराये गये निर्माण कार्यो का निरीक्षण किया गया। जिसमें कचरा संग्रहण केन्द्र(आर.आर.सी.) ,उद्यान विकास कार्य पंचायत के पास, सामुदायिक कार्यशाला निर्माण (राजीविका), चरागाह विकास कार्य एवं वृक्षारोपण कार्य एवं प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थीयों के आवास निर्माण कार्यो का भी निरीक्षण किया गया। सीआरएम टीम के साथ अति. मुख्य कार्यकारी अधिकारी शैलेन्द्र सिंह, अधिशाषी अभियंता अशोक मीना, डी.पी.एम.(राजीविका) डॉ. सरोज बैरवा, आनंदीलाल मीना व सत्यनारायण मीना सहायक अभियंता भी साथ में उपस्थित रहे।

भाजपा के राष्ट्रीय सदस्य रामकिशोर मीणा देवली के गुरु कृपा संस्थान पहुंचे पंडित मुकेश गौतम से शिष्टाचार भेंट की

पंडित मुकेश गौतम ने राष्ट्रीय सदस्य रामकिशोर मीणा का माल्यार्पण कर स्वागत किया

बढ़ता राजस्थान

देवली (गोविन्द सिंह सेठी)। भाजपा में राष्ट्रीय परिषद के नवनिर्वाचित सदस्यों की घोषणा में प्रदेश से 25 राष्ट्रीय परिषद सदस्यों का भी निर्वाचन किया गया। इनमें शामिल रामकिशोर मीणा राष्ट्रीय परिषद के सदस्य बनने के बाद सोमवार को यहां गुरु कृपा संस्थान केंद्र पहुंचे । इस अवसर पर रामकिशोर मीणा ने गुरु कृपा संस्थान के पंडित मुकेश गौतम से शिष्टाचार भेंट की और आशीर्वाद लिया । इस दौरान पंडित मुकेश गौतम ने रामकिशोर मीणा का माल्यार्पण कर स्वागत किया। और मीणा को हार्दिक शुभकामनाएं भेंट की। इस अवसर पर राष्ट्रीय परिषद सदस्य रामकिशोर मीणा ने बताया कि वह शादी समारोह में शामिल होने के लिए जयपुर से बूंदी जा रहे थे। इसी बीच मीना कुछ समय के लिए देवली शहर रुके और इस दौरान रामकिशोर मीणा भगवान गुरु कृपा संस्थान पर पहुंचे । यहां मीणा ने पंडित मुकेश गौतम से ज्योतिषीय परामर्श लिया। इस मौके पर राकेश शर्मा,बृजेश भारद्वाज,अनिल शर्मा व बी एल मीना रानीपुरा ने भी राष्ट्रीय सदस्य रामकिशोर मीणा का मलयार्पणकर किया स्वागत किया।

हम सबको मिलकर भारत को विश्वगुरु बनाना है : चंद्रवीरसिंह चौहान

जिलाध्यक्ष चौहान सहित जिले के भाजपा कार्यकर्ताओं ने श्रीराम महाराज से लिया आशीर्वाद

बढ़ता राजस्थान

निवाई (का.स.)। मां भद्रकाली आश्रम कांटोली में टोंक जिला अध्यक्ष चंद्रवीरसिंह चौहान सहित भाजपा के कार्यकर्ताओं ने मां भद्रकाली के दर्शन करके संत श्रीराम महाराज अघोरी से आशीर्वाद लिया। श्रीराम महाराज अघोरी ने कहा कि हर देश में योगी व मोदी जैसा राजनेता होना जरूरी है। जब ही देश विश्व गुरू बन पाएगा। जिला अध्यक्ष चंद्रवीरसिंह चौहान ने कहा कि क्षेत्र मे किसी भी प्रकार की कोई भी समस्या हो तो अवगत करवाएं। भाजपा सरकार 24 घंटे क्षेत्र के विकास के लिए कटिबद्ध है। उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता साधु संतों से आशीर्वाद व साधु संतों से प्रेरणा लेकर आगे बढने की है। उन्होंने कहा कि हम सबको मिलकर भारत को विश्वगुरु बनाना है। इस दौरान आश्रम के पीठाधीश्वर श्रीराम महाराज ने भाजपा जिला अध्यक्ष चंद्रवीरसिंह चौहान को तलवार भेंट किया व भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं को भगवा दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर उप प्रधान दयाराम जाट, अरनिया मंडल अध्यक्ष शिवराज लांगड़ी, मण्डल अध्यक्ष मदनलाल सैनी, पूर्व मंडल शिवदयाल गुर्जर, दयाराम जाट, देवराज गुर्जर, रमाकांत शर्मा, शंकर काका, योगेंद्रसिंह नाथावत, रामचरण कठमाणा, टिंकू बना, सत्येंद्र चौधरी, विजय मनोहरिया, रामसहाय मीणा किवाड़ा, रतन मीणा कांटोली, गोविंदनारायण मीणा, अनिल जाट, सुनिल जाट, महेंद्र मीणा, अशोक बागड़ी, विकास रावत व मदनलाल रामनगर सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

निवाई सिटी व ग्रामीण क्षेत्र मे सुबह 3 घंटे बिजली बंद रहेगी

बढ़ता राजस्थान

निवाई (का.स.)। रेलवे फाटक पर ओवर ब्रिज के निर्माण कार्य के चलते विद्युत विभाग द्वारा मंगलवार को सुबह 3 घंटे बिजली बंद रखी जाएगी। विभाग के कनिष्ठ अभियंता लक्की गौठवाल ने बताया कि रेलवे फाटक पर ओवर ब्रिज के निर्माण कार्य के चलते 132 केवी पावर हाउस सुबह 7 से 10 बजे तक बिजली बंद रहेगी। जिसके दौरान समस्त 33 केवी शहर व ग्रामीण क्षेत्र के फीडरों सहित नगर पालिका क्षेत्र, ग्रामीण क्षेत्र एवं समस्त औद्योगिक क्षेत्र में सुबह 7 से 10 बजे तक बिजली बंद रहेगी।

वित्तीय समावेशन के सूचकांकों की समीक्षा पर बैंकर्स के साथ बैठक आयोजित

बढ़ता राजस्थान

धौलपुर (राजू शर्मा)। आकांक्षी जिला कार्यक्रम के तहत जिले के प्रदर्शन की समीक्षा के अन्तर्गत वित्त मंत्रालय, भारत सरकार के अवर सचिव संजय कुमार मिश्रा द्वारा वित्तीय सेवा विभाग के चिन्हित केपीआई पर राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति, अग्रणी जिला प्रबन्धक, जिले के बैंकों के जिला समन्वयक और जिला अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। अवर सचिव ने वित्तीय समावेशन की योजनाओं में और अधिक प्रगति बढ़ाने लिए कहा। अवर सचिव ने सभी बैंकों को कहा कि बैंक ऋण आवेदनों का यथा समय में उचित निस्तारण करें तथा आमजन के साथ आपसी सम्बन्ध बनाकर आमजन के हितों के लिए कार्य करें। बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर हरिराम मीना ने विभिन्न बैंकिंग एवं वित्तीय समावेशन की सेवाओं के बारे में जिले की प्रगति पर जानकारी ली। बैठक में समीक्षा के दौरान जिले के परिदृश्य की जानकारी देते हुए अग्रणी जिला प्रबन्धक मंगेश कुमार ने बताया कि जिले में कुल 21 बैंकों की कुल 77 शाखाएँ है जो कि ग्रामीण व अर्ध शहरी क्षेत्रों में कार्यरत हैं। बैंकों के एटीएम व बीसी का डाटा प्रस्तुत किया गया। उन्होंने बताया कि आकांक्षी जिला कार्यक्रम में वित्तीय समावेशन 6 संकेतक हैं जिनमें प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, मुद्रा ऋण, बैंक खातों में आधार सीडिंग और प्रधानमंत्री जन धन योजना शामिल हैं। सभी 6 योजनाओं में जिले की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। जिले की प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना की प्रगति बेंचमार्क का 103 प्रतिशत, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना 106 प्रतिशत और अटल पेंशन योजना 179 प्रतिशत हो चुकी है। बैठक में जिले में बैंकों की कुल जमाएँ व अग्रिमों, अग्रिम ऋण जमा अनुपात पर भी विस्तृत चर्चा करते हुए बताया गया कि जिले का अग्रिम ऋण जमा अनुपात 69.71 प्रतिशत है जो कि 60 प्रतिशत के लक्ष्य से अधिक है।

इसके साथ ही सभी जिला समन्वयकों से चर्चा के दौरान अतिरिक्त जिला कलेक्टर ने सभी बैंकों विशेषकर प्राईवेट सेक्टर बैंकों से मुद्रा ऋणों, सरकार द्वारा प्रायोजित योजनाओं में अधिक से अधिक लोगों को लाभान्वित करने, सामाजिक सुरक्षा बीमा योजनाओं में ज्यादा से ज्यादा बैंक खातों को जोड़ने के लिए निर्देशित किया।

बोर्ड परीक्षा से पूर्व दसवीं के विद्यार्थियों की हुई पूर्व बोर्ड परीक्षा

एक हजार से अधिक विद्यार्थियों ने लिया भाग, मानसिक रूप से मजबूत होंगे स्टूडेंट

बढ़ता राजस्थान

बाड़ी (राजू शर्मा)। शहर में रविवार को विक्टर इन्फेंट सेकेंडरी स्कूल व दीप अकादमी द्वारा बाड़ी व बसेड़ी टैलेंट सर्च एग्जाम बीटीएसई के नाम से कक्षा दसवीं के स्टीडेंट की परीक्षा कराई गई। जिसमें बाड़ी केंद्र पर 857 छात्र छात्राओं ने तथा बसेड़ी में 238 छात्र छात्राओं ने रजिस्ट्रेशन कराया। परीक्षा के दौरान बाड़ी केंद्र पर 837 छात्र-छात्रा तथा बसेड़ी में 218 छात्र-छात्रा मौजूद रहे। आयोजकों ने बताया कि इस परीक्षा का उद्देश्य बोर्ड परीक्षा से पहले छात्र-छात्राओं को बोर्ड परीक्षा को लेकर मानसिक रूप से तैयार करना है। जिससे वह बिना भयभीत हुए परीक्षा दे सजे। परीक्षा आयोजन समिति के आशीष बंसल ने बताया की आने वाले समय मे बाड़ी शहर में नीट और इंजीनियरिंग की तैयारी कराई जाएगी। जिससे अभिभावकों को अपने लाडलो से दूर नहीं रहना पड़ेगा। जिसको लेकर अच्छी फैकल्टी और उच्च स्तर की कोचिंग बेहद रियायती दर पर शुरू करने की तैयारी चल रही है। परीक्षा आयोजन के दौरान विक्टर इन्फेंट सेकेंडरी स्कूल के संचालक आशीष बंसल,व्यवस्थापक आकाश बंसल, प्रधानाध्यापिका विनीत बंसल,टीचर जगदीश,केदार, राजकुमार बंसल,सौरभ गोयल,सुनील शर्मा,रिंकू जिंदल, देवेंद्र गौड़,पंकज गौड़,घनेंद्र गौड़,गिरीश कौशिक,अरुण गौड़,दिनेश शर्मा,चांद बाबू,आदित्य शर्मा,सचिन शर्मा,गरिमा बंसल,काजल गर्ग,रुनझुन परमार,सवा खान,शिफा खान अमरीन खान,लवली गोयल,अनिता बंसल,प्रियंका जिंदल, सुरभि सहित शहर के विभिन्न स्कूलों के टीचर और स्टाफ मौजूद रहा।

आश्रम पर दर्शन करने आई महिला के साथ दुष्कर्म की घटना

महिला को बहला फुसलाकर ले गए दो बाइक सवार, जंगल में दिया वारदात को अंजाम

बढ़ता राजस्थान

बाड़ी (राजू शर्मा)। उपखंड के रामसागर बांध किनारे स्थित बाबा विशिंगिर के आश्रम पर दर्शन करने आई एक श्रद्धालु महिला के साथ दो बाइक सवार युवकों द्वारा दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया है। आरोपी महिला को मंदिर से कोई जानकारी निकालकर बाइक पर बिठाकर ले गए और हाईवे पर चिलाचोंद गांव के पास जंगल में ले जाकर दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। बाद में आरोपी महिला को वहीं पड़ा छोड़कर भाग गए। रोती बिलखती महिला हाईवे किनारे पहुंच,किसी वाहन में बैठकर वापस मंदिर आई तो पति को आपबीती सुनाई। इसके बाद पति के साथ महिला ने सदर थाने पहुंचे पुलिस में रिपोर्ट दी है। सदर थाना अधिकारी विनोद कुमार ने बताया कि शनिवार दिन में श्रद्धालु महिला अपने पति के साथ बाबा विशिंगिर के मंदिर पर दर्शन करने आई थी। जहां वह दर्शन के बाद मंदिर परिसर में परिक्रमा कर रही थी।

इसी दौरान दो युवकों ने उसे अपनी बातों में फंसा लिया और बाइक पर बिठाकर चिलाचोंद गांव के पास जंगल में ले गए। जहां उन्होंने महिला के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया है। पीड़ित महिला द्वारा पति के साथ शनिवार की शाम थाने पहुंच पुलिस को रिपोर्ट दी है। घटना को लेकर महिला की रिपोर्ट दर्ज की गई है और मामले की जांच की जा रही है।

नर से नारायण बनने का सबसे बड़ा माध्यम मानव सेवा ही है : मुनिश्री समत्व सागर

बढ़ता राजस्थान

निवाई (का.स.)। पूर्व मुख्य सचेतक स्व. महावीरप्रसाद जैन की पुण्यतिथि पर सोमवार को अग्रवाल सेवा सदन में जिला स्तरीय निःशुल्क दिव्यांग सहायता शिविर का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर जैन मुनि समत्वसागर महाराज ने कहा कि नर से नारायण बनने का सबसे बडा माध्यम मानव सेवा ही है। मुनिश्री ने चंवरिया परिवार एव आयोजन समिति के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए सराहना की। सन्त प्रकाशदास महाराज ने कहा कि मानव सेवा समाज सेवा व गो सेवा ही वर्तमान में सबसे बडा धर्म है। सभा में पूर्व विधायक अजीत मेहता ने कहा कि स्व. महावीरप्रसाद जैन हमारे राजनीतिक गुरु रहे हैं। उनसे हमने बहुत कुछ सीखा है। मेहता ने स्व. महावीरप्रसाद जैन के 1975 में अपातकाल में 19 माह तक जेल मे रहने के संस्मरण साझा किए। विनयांजली सभा में राष्ट्रीय स्वयं संघ के क्षेत्रीय सेवा प्रमुख शिवलहरी ने कहा कि स्व. महावीरप्रसाद जैन ईमानदार व दबंग व्यक्तित्व के धनी थे। राजस्थान उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश नरेंद्रकुमार जैन ने स्व. महावीरप्रसाद जैन के जीवन स्मरण बताते उन्हें याद कर भाव श्रद्धांजलि अर्पित की। शिविर संयोजक जितेन्द्र चंवरिया व गजेन्द्र चंवरिया ने बताया कि शिविर से पूर्व 800 से अधिक दिव्यांगजनों का पंजीकरण हुआ।

संजय लीला भंसाली@62

फिल्म में पैसा लगाकर बर्बाद हुए पिता घर खर्च के लिए मां ने कपड़े सिले; गुस्से की वजह से एफटीआईआई से निकाला

संजय लीला भंसाली, आज ये नाम फिल्म इंडस्ट्री के बड़े डायरेक्टरों में शुमार है। भंसाली आज 62 साल के हो गए हैं। कभी 300 स्क्वायर फीट की चॉल में बेरंग दीवारों के बीच गुजारा करने वाले भंसाली, आज भारतीय सिनेमा के सबसे भव्य सेट्स और परफेक्शनिस्ट अप्रोच के लिए जाने जाते हैं। संजय की फिल्मों में सिर्फ कहानी नहीं, बल्कि हर फ्रेम एक चलती-फिरती पेंटिंग होती है। 940 करोड़ रुपए के मालिक भंसाली ने फिल्म इंडस्ट्री के करियर में करीब 10 फिल्मों का डायरेक्शन किया, 7 फिल्मों में बतौर प्रोड्यूसर, 3 फिल्मों में म्यूजिक डायरेक्टर और 16 फिल्मों में राइटर के तौर पर काम किया। हालांकि, संजय लीला भंसाली का फिल्म इंडस्ट्री में आना आसान नहीं था।

चॉल में जन्म हुआ, कहा था- दीवारें भी बेरंग थीं

संजय लीला भंसाली फिल्मों में अपने आलीशान और भव्य सेट के लिए जाने जाते हैं, लेकिन एक समय था जब वो खुद चॉल में रहते थे। उन्होंने कुछ समय पहले ही हॉलीवुड रिपोर्टर से बातचीत में अपने बचपन के संघर्ष को याद किया था। उन्होंने कहा था-

मैं खुद को खुशकिस्मत मानता हूं कि मैं बिना किसी सुख-सुविधा वाले घर में पैदा हुआ। मैं 300 स्क्वायर फीट के चॉल में पैदा हुआ। खुद को इसलिए भी भाग्यशाली मानता हूं क्योंकि मेरा जन्म ऐसे पिता के घर हुआ, जो अपने पीछे कई अधूरे सपने छोड़ गए। मैं जिस चॉल में रहता था, वहां दीवारें भी बेरंग थीं, छोटी सी जगह में हम 4-5 लोग रहते थे। मैंने बचपन से ही यही बात सुनी थी कि सिनेमा में पैसे लगाना बेकार है।

पिता ने फिल्म में पैसे लगाए, परिवार को झेलनी पड़ी आर्थिक तंगी

इसी इंटरव्यू में संजय लीला भंसाली ने फिल्मों को अपनी आर्थिक तंगी का कारण भी माना। उन्होंने कहा- मेरे पिता ने जहाजी लुटेरा नाम की फिल्म में पैसा लगाया था, जो मेरे पैदा होने से पहले रिलीज हुई थी। जब मैं पैदा हुआ और बड़ा हो रहा था तो मैंने अपनी फैमिली से हमेशा यही सुना कि सिनेमा में पैसे नहीं लगाना चाहिए। हम सिनेमा की वजह से ऐसी सिचुएशन में पहुंच गए हैं। मेरे घर में शुरू से ही सिनेमा को काफी तवज्जो दी जाती है। मेरी दादी ने एक बार 10 हजार रुपए इकट्ठा किए थे। उन्होंने ये पैसे मेरे पिता के दोस्त को दिए थे, जो एक फिल्म प्रोड्यूस कर रहे थे। वो पैसे हमें कभी वापस नहीं मिले। इसके बाद मैंने सोच लिया था कि बहुत पैसे कमाने हैं और परिवार को वो 10 हजार रुपए सूद समेत लौटाने हैं।

मां को छोटी जगहों में डांस कर ते देख ठाना- मेरी एक्ट्रेसेस बड़े सेट पर डांस करेंगी

संजय लीला भंसाली के पिता ने जब फिल्मों में पैसे लगाए तो परिवार को आर्थिक तंगी से गुजरना पड़ा। ऐसे में घर खर्च और गुजारे के लिए उनकी मां सिलाई का काम किया करती थीं। उनकी मां छोटे कार्यक्रमों में डांस भी किया करती थीं। कभी-कभी भंसाली भी कार्यक्रमों में अपनी मां की परफॉर्मेंस देखने जाते थे। एक दिन उन्होंने मां को छोटी सी जगह पर डांस करते देखा, जिसके बाद उन्होंने ठान लिया था कि जब भी वो फिल्म मेकर बनेंगे तो उनकी फिल्म की एक्ट्रेसेस हमेशा बड़े सेट पर डांस करेंगी।

गुस्से की वजह से एफटीआईआई से निकाले गए

संजय लीला भंसाली ने टाइम्स ऑफ इंडिया से एक पुरानी बातचीत में अपने पुणे के फिल्म इंस्टीट्यूट का किस्सा शेयर किया था। उन्होंने बताया था- मैंने पुणे के फिल्म इंस्टीट्यूट में एडिटिंग कोर्स में एडमिशन लिया था। इस कोर्स को पूरा करने के बाद मैंने डिप्लोमा के लिए एडमिशन लिया था, लेकिन तभी मुझे इंस्टीट्यूट से निकाल दिया गया था और मैं अपना डिप्लोमा पूरा नहीं कर पाया था।

दरअसल, मैं वहां एडिटिंग का स्टूडेंट था, हमारे लिए डायरेक्शन की क्लास नहीं होती थी। एक दिन हर स्टूडेंट के लिए एक डायरेक्टर को बुलाया गया, जिनकी फिल्में हमें एडिट करनी थीं। मुझे दिलीप घोष की फिल्म मिली थी, लेकिन मुझे उनके साथ काम करने में कुछ परेशानी थी, इसलिए मैंने अपने इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर के.जी. वर्मा से कहा कि मुझे किसी दूसरे डायरेक्टर की फिल्म दे दी जाए, लेकिन उन्होंने मना कर दिया। इसी बात को लेकर थोड़ी बहस हो गई और मैंने कोर्ट में केस कर दिया, जिसमें मैं हार गया। इसके बाद मैं वर्मा सर के पास गया और गिड़गिड़ाया कि मुझे मेरी डिप्लोमा फिल्म पूरी करने दें, लेकिन वे नहीं माने और मुझे इंस्टीट्यूट से निकाल दिया। मैं बहुत गुस्से में था और सोच लिया था कि मुंबई जाकर अपनी फिल्म बनाऊंगा। हालांकि, आज भी मुझे डिप्लोमा नहीं कर पाने का अफसोस है। यही वजह है कि मैं अभी भी खुद को अधूरा फिल्ममेकर मानता हूं।

कैसे फिल्मों से जुड़ा संजय लीला भंसाली का रिश्ता?

संजय लीला भंसाली का एक समय ऐसा था जब उनका फिल्म इंडस्ट्री से जुड़ना नामुमकिन था। ये तब मुमकिन हो सका जब उनकी बहन ने विधु विनोद चोपड़ा की एक्स वाइफ रेणु चोपड़ा के सामने उनके काम की तारीफ की। जिसके बाद रेणु चोपड़ा ने विधु विनोद चोपड़ा को संजय लीला को काम देने के लिए मजबूर किया था। दरअसल, संजय लीला भंसाली की बहन बेला भंसाली सहगल विधु विनोद चोपड़ा के साथ काम करती थीं। पहले विधु विनोद चोपड़ा ने संजय लीला को रिजेक्ट कर दिया। फिर बाद में उन्होंने उनको अपने साथ काम करने का मौका दिया। संजय लीला ने उनके साथ 8 साल तक काम किया। उन्होंने विधु विनोद चोपड़ा के साथ बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर काम किया।

विधु विनोद चोपड़ा के साथ काम करने का एक्सपीरिएंस शेयर करते हुए संजय लीला भंसाली ने बताया था- मुझे लगता है कि उनके साथ 8 साल तक काम करने के बाद मैं दुनिया की किसी भी सिचुएशन का सामना कर सकता हूं। आज भी अगर विधु विनोद चोपड़ा का कॉल आता है तो मैं खड़ा हो जाता हूं। यह मेरा उस व्यक्ति के प्रति सम्मान है, जिसने मेरी जिंदगी बदल दी।

पहली फिल्म खामोशी द म्यूजिकल को मिले 5 फिल्मफेयर अवॉर्ड

संजय लीला भंसाली ने विधु विनोद चोपड़ा के साथ फिल्म परिंदा (1989) में बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर, 1942= ए लव स्टोरी (1994) में बतौर राइटर-असिस्टेंट कोरियोग्राफर काम किया।

विधु विनोद चोपड़ा चाहते थे कि संजय लीला भंसाली उनके प्रोडक्शन की फिल्म करीब डायरेक्ट करें, लेकिन उन्होंने इससे इनकार कर दिया। इस इनकार का असर उनके रिश्ते पर पड़ा।

इसके बाद संजय लीला भंसाली ने साल 1996 की फिल्म खामोशी द म्यूजिकल से बतौर डायरेक्टर बॉलीवुड में डेब्यू किया। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर तो कोई खास कमाल नहीं कर सकी, लेकिन इसे क्रिटिक्स की जमकर तारीफें मिलीं। इस फिल्म ने उस साल 5 फिल्म फेयर अवॉर्ड अपने नाम किए थे। आगे उन्होंने हम दिल दे चुके सनम, देवदास, ब्लैक जैसी बेहतरीन फिल्में डायरेक्टर कर खुद को बॉलीवुड के सबसे बेहतरीन डायरेक्टर्स में शामिल किया।

संजय लीला भंसाली की फिल्मों और परफेक्शन से जुड़े किस्से-

संजय लीला भंसाली अपनी फिल्मों की कहानी के साथ-साथ परफेक्शन, आलीशान सेट, एक्टर्स के कॉस्ट्यूम और म्यूजिक पर भी ध्यान देते हैं। ये उनकी कई फिल्मों में देखने को मिला है।

भंसाली ने साल 2002 में रिलीज हुई फिल्म देवदास के भव्य सेट को बनाने में 9 करोड़ रुपए लगाए थे। वहीं, 2018 में रिलीज हुई फिल्म पद्मावत के सेट को बनाने में 250 करोड़ रुपए की लागत लगी थी। फिल्म में दीपिका पादुकोण के महारानी लुक पर भी भंसाली ने बहुत खर्च किया था।

दीपिका ने जो ज्वेलरी पहनी थी उसे 200 कारीगरों ने 600 दिनों में बनाया था। इतना ही नहीं घूमर गाने की मेकिंग में 12 करोड़ का खर्च आया था। साल 2022 को रिलीज हुई फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी के सेट को बनाने में लगभग 7 करोड़ रुपए का खर्चा आया था। इस सेट को बनाने में 5 से 6 महीने लगे थे।

वहीं, साल 2024 में रिलीज हुई संजय लीला भंसाली की पहली वेब सीरीज %हीरामंडी% के सेट को बनाने में लगभग 200 करोड़ रुपए का खर्च आया था। 3 एकड़ में फैला यह सेट भंसाली के करियर का अब तक का सबसे बड़ा सेट रहा। सेट को बनाने में 700 कारीगरों ने 210 दिनों तक काम किया था। वहीं इस सीरीज का सीक्वल हीरामंडी 2 जल्द ही रिलीज होने वाला है। सीरीज की शूटिंग जारी है।

सलमान के बयान से आहत हुए थे संजय लीला भंसाली

सलमान खान और संजय लीला भंसाली का रिश्ता काफी लंबे समय तक उतार-चढ़ाव भरा रहा। दोनों ने साथ में खामोशी= द म्यूजिकल (1996) और हम दिल दे चुके सनम (1999) जैसी फिल्में की थीं, लेकिन बाद में सलमान खान के एक बयान से दोनों के बीच अनबन की खबरें सामने आने लगीं। दरअसल, साल 2010 में संजय लीला भंसाली के डायरेक्शन में बनी फिल्म गुजारिश रिलीज हुई थी। फिल्म पर सलमान ने कहा था कि कोई कुत्ता भी फिल्म को देखने नहीं गया। सलमान के इस बयान से संजय लीला भंसाली को काफी ठेस पहुंची और उनके बीच मनमुटाव हो गया।

सलमान के साथ फिल्म बंद हुई

संजय लीला भंसाली ने इंशाल्लाह नाम की फिल्म अनाउंस की थी, जिसमें सलमान खान और आलिया भट्ट मुख्य भूमिकाओं में थे। यह फिल्म भंसाली और सलमान की 20 साल बाद साथ में वापसी होती, लेकिन प्रोजेक्ट अचानक बंद कर दिया गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सलमान और भंसाली के बीच क्रिएटिव डिफरेंस थे। सलमान फिल्म में एक्शन और मसाला एलिमेंट्स चाहते थे, जबकि भंसाली इसे एक क्लासिक रोमांटिक फिल्म की तरह बनाना चाहते थे।

पाकिस्तानी एक्टर्स को कास्ट करना चाहते थे

हीरामंडी भंसाली द्वारा डायरेक्ट की गई पहली वेब सीरीज है। इस सीरीज का आइडिया उनके पास पिछले 18 साल से था, उस समय इस सीरीज में वो रेखा, करीना कपूर और रानी मुखर्जी को कास्ट करना चाहते थे। उसके बाद दूसरी कास्ट में उन्होंने पाकिस्तानी कलाकारों के नाम भी सोचे थे। जिसमें माहिरा खान, फवाद खान और इमरान अब्बास का नाम शामिल है। हालांकि, ये भी नहीं हो सका। जिसके बाद भंसाली ने हीरामंडी द डायमंड बाजार में मनीषा कोइराला, सोनाक्षी सिन्हा, ऋचा चड्ढा, अदिति राव हैदरी, शर्मिन सहगल, ताहा शाह, फरदीन खान और शेखर सुमन और उनके बेटे सुमन को अहम रोल में लिया है।

इन फिल्मों के चलते विवादों में रहे

पद्मावत (2018)- यह उनकी सबसे बड़ी और फेमस कॉन्ट्रोवर्सी थी। फिल्म पद्मावत (पहले पद्मावती नाम था) में रानी पद्मावती और अलाउद्दीन खिलजी के संबंधों को लेकर करणी सेना और कुछ राजपूत संगठनों ने विरोध किया। आरोप था कि फिल्म में ऐतिहासिक तथ्यों से छेड़छाड़ की गई और रानी पद्मावती का करैक्टर गलत तरीके से दिखाया गया। विरोध इतना बढ़ गया कि जयपुर में शूटिंग के दौरान भंसाली पर हमला किया गया, सेट तोड़ दिया गया और फिल्म की रिलीज टालनी पड़ी। बाद में, सेंसर बोर्ड ने कुछ बदलाव करवाए, नाम बदला और फिल्म रिलीज हुई। गोलियों की रासलीला= राम-लीला (2013)- फिल्म के टाइटल राम-लीला को लेकर हिंदू संगठनों ने आपत्ति जताई और कहा कि यह धार्मिक भावनाओं को आहत करता है। कुछ समुदायों ने फिल्म पर अश्लीलता और गलत तरीके से परंपराओं को दिखाने के आरोप लगाए। बाद में फिल्म का नाम बदलकर गोलियों की रासलीला= राम-लीला किया गया।

बाजीराव मस्तानी (2015)- पेशवा बाजीराव और मस्तानी की लव स्टोरी पर आधारित इस फिल्म पर मराठा संगठनों और कुछ इतिहासकारों ने आपत्ति जताई। आरोप था कि फिल्म में बाजीराव की पत्नी काशीबाई (प्रियंका चोपड़ा) और मस्तानी (दीपिका पादुकोण) को गलत तरीके से दिखाया गया है। फिल्म के पिंगा गाने पर विवाद हुआ, जिसमें काशीबाई और मस्तानी को एक साथ डांस करते दिखाया गया।

हेरा फेरी की सीक्वल फिल्म से नाखुश थे परेश रावल

कहा- फिल्म में जबरदस्ती किरदार डाले गए; बताया हेरा फेरी 3 से निकाले गए कार्तिक आर्यन

एक्टर परेश रावल को सुपरहिट फिल्म हेरा फेरी में बाबूराव गणपतराव आप्टे के रोल में जमकर सराहना मिली थी। 2006 में इसकी सीक्वल फिल्म फिर हेरा फेरी आई, जो हिट रही। हालांकि परेश रावल की मानें तो वो इस फिल्म से खुश नहीं थे। उनका मानना था कि फिल्म में हंसाने के लिए बेवजह किरदार डाले गए थे। साथ ही परेश रावल ने ये भी खुलासा किया है कि कार्तिक आर्यन को इस फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म हेरा फेरी 3 से निकाल दिया गया है। सिद्धार्थ कानन से बातचीत के दौरान परेश रावल ने कार्तिक आर्यन को हेरा फेरी से निकाले जाने का कारण बताया है। उन्होंने कहा है कि कार्तिक को फिल्म में साइन कर लिया गया था। हालांकि वो राजू का किरदार नहीं निभा रहे थे। जब उन्हें साइन किया गया था, तब फिल्म की स्टोरी लाइन अलग थी। कहानी के अनुसार, राजू उसे कहीं से पकड़ के लाने वाला था। उस समय अक्षय भी फिल्म से नहीं जुड़े थे। बातचीत में परेश रावल ने ये भी बताया है कि अब फिल्म में कार्तिक आर्यन नहीं हैं, अब फिल्म की कहानी पूरी तरह से बदल दी गई है। फिल्म की शूटिंग अगस्त-सितंबर के बीच शुरू हो सकती है।

हेरा फेरी की सीक्वल फिल्म से खुश नहीं थे परेश रावल

इसी इंटरव्यू में परेश रावल ने ये भी बताया है कि वो फिल्म फिर हेरा फेरी से खुश नहीं थे। उन्होंने कहा, फिल्म में सब ओवरकॉन्फिडेंट थे। फिल्म में मासूमियत नहीं रही। माफी चाहूंगा, लेकिन वो फिल्म ठीक नहीं बनी थी। मैंने नीरज (डायरेक्टर) से कहा था कि तू बहुत बढ़ रहा है इसमें। इसकी कोई जरुरत नहीं हैं। फिल्म में सिंपलिसिटी होनी चाहिए, जो पहली फिल्म में थी। ज्यादा भरेंगे तो मामला बिगड़ेगा। लोग तो हसेंगे। कोई नंगा दौड़ जाए तो भी लोग हसेंगे, लेकिन ऐसे थोड़ी न नंगा दौड़ना है। सेंस ऑफ प्रपोशन तो आपके ऊपर होना चाहिए न।

सीक्वल फिल्मों पर कहा- मुन्ना भाई एमबीबीएस जैसी फिल्मों के सीक्वल बनना वाजिब है

परेश रावल ने सीक्वल फिल्मों पर कहा है, मैं सिर्फ मुन्नाभाई एमबीबीएस जैसी फिल्मों के सीक्वल पसंद करता हूं। उसकी लगे रहो मुन्नाभाई बनी जो एक क्वांटम लीप है। अगर ऐसी सीक्वल बनती हैं तो सलाम है, लेकिन अगर सिर्फ पैसे बटोरने के लिए सीक्वल बनाते हैं, तो मजा नहीं है।

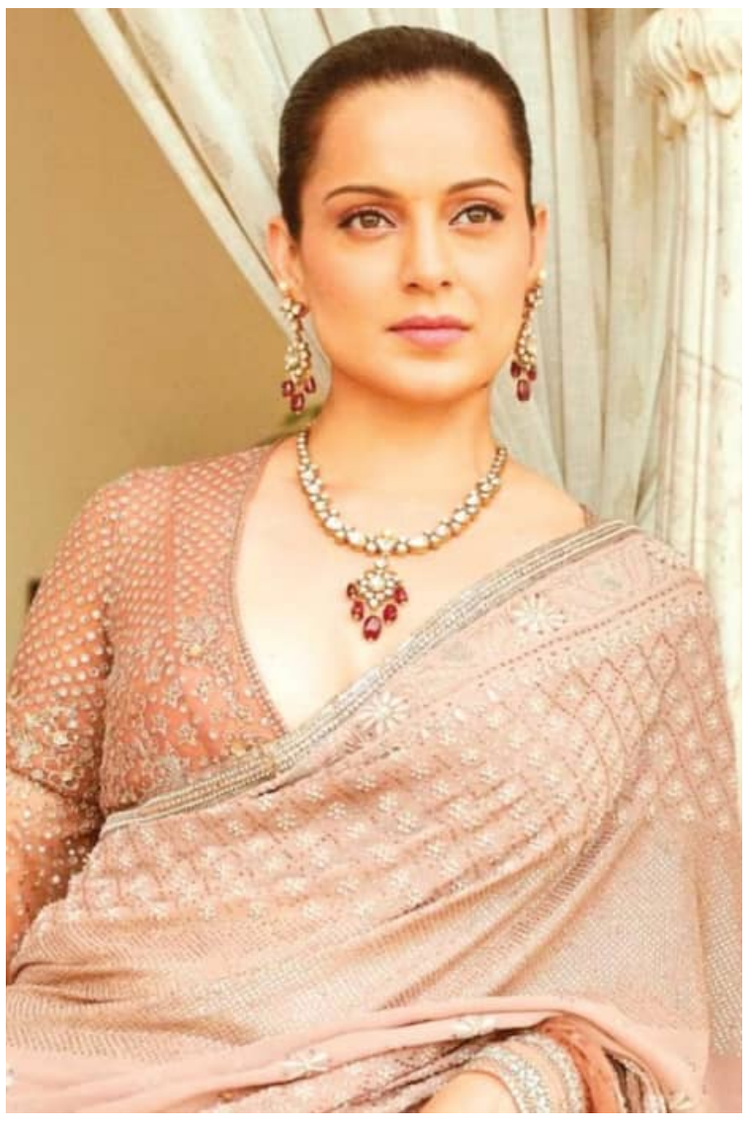

कंगना रनोट ने सान्या मल्होत्रा की मिसेज की आलोचना की

कहा, बुजुर्गों को राक्षस दिखाना और घरेलू महिलाओं की तुलना वेतन पाने वालों से करना बंद करें

सान्या मल्होत्रा स्टारर फिल्म मिसेज 7 फरवरी को जी 5 पर रिलीज हुई है। इस फिल्म में एक घरेलू महिला की कहानी दिखाई गई है, जो रोजमर्रा के काम करते हुए अपने सपने छोड़ने पर मजबूर हो जाती है। फिल्म को जनता की काफी सराहना मिल रही है, हालांकि अब कंगना रनोट ने फिल्म का नाम लिए बिना ही फिल्म और इसके कॉन्सेप्ट पर निशाना साधा है। शास्त्रों का हवाला देते हुए कंगना ने कहा कि शादी बच्चों और बुजुर्गों के लिए की जाती है और यही होना चाहिए, इसे वेलिडेशन के लिए नहीं करना चाहिए।

कंगना रनोट ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट के स्टोरी सेक्शन में लिखा, बड़ी होते हुए मैंने कोई भी ऐसी महिला नहीं देखी जो अपने घर में हुक्म न चलाती हो, सबको ऑर्डर न देती हो कि कब सोना है कब खाना है और कब बाहर जाना है, अपने पति से खर्च किए गए एक-एक रुपए का हिसाब नहीं लेती हो और लोग उसे मानते न हों। झगड़ा सिर्फ इस बात का होता है कि लड़के बाहर जाते हैं और आए दिन दोस्तों के साथ शराब पीते हैं। जब भी पापा हमारे साथ बाहर खाना चाहते थे तो मां चिल्लाती थीं, क्योंकि हमारे लिए खाना बनाना उनकी खुशी थी।

आगे एक्ट्रेस ने लिखा है, इस तरह से वो कई चीजें कंट्रोल कर सकती थीं, जैसे हाइजीन, खाने का पोषण। बुजुर्ग लोग जो उनके बच्चों के लिए काम करते थे उनका इमोशनल सपोर्ट सिस्टम होते थे। घर की महिलाएं दादी, मम्मा, चाची हमारे लिए रानी थीं और हम उनकी तरह बनने की आशा करते थे। बेशक महिलाओं को कम वैल्यू मिलने का मामला हो सकता है, लेकिन चलिए जॉइंट फैमिली को सामान्य बनाना और बुजुर्गों को राक्षस दिखाना बंद करें। आइए घर की महिलाओं की तुलना वेतन पाने वाले लोगों से करना बंद करें। साथ ही घर बनाने और बच्चों को बड़ा करने के सुख की तुलना फोर्स लेबर से न करें।

कंगना ने बिना नाम लिए फिल्म के कॉन्सेप्ट की आलोचना कर लिखा, प्लीज ये समझिए कि शादी वेलिडेशन या अटेंशन के लिए नहीं की जाती, बल्कि सबसे कमजोर लोगों के लिए बेस्ट करने के लिए होती है। ये बुजुर्गों और बच्चों के लिए जरूरी होती है। दोनों ही हेल्पलेस होते हैं, ऐसा शास्त्र कहते हैं। हमारे मां-बाप ने हमारे और बड़ों के लिए सब कुछ किया, लेकिन कभी सवाल नहीं किया। उन्होंने बस कर दिया।

आगे उन्होंने लिखा, कई बॉलीवुड लव स्टोरीज ने शादी के विचार को खराब कर दिया। शादी वैसी ही होनी चाहिए जैसे हमेशा से हमारे देश में हो रही है। इसका हमेशा एक उद्देश्य होता है और उद्देश्य धर्म है, जिसका अर्थ अनिवार्य रूप से कर्तव्य होता है। बस अपना कर्तव्य निभाएं। अपना काम करें और आगे बढ़िए, जिंदगी बहुत छोटी और तेज है, अगर आप बहुत ज्यादा वेलिडेशन और फुटेज पाने की कोशिश करेंगे तो आप अपने थैरेपिस्ट के साथ अकेले रह जाएंगे।

राजेश खन्ना को मौत का आभास हो गया था : अनीता आडवाणी ने किया खुलासा, बोलीं- वे दिन भर रोते रहते थे

एक्ट्रेस अनीता आडवाणी ने बताया है कि राजेश खन्ना को अपनी मौत का आभास हो गया था। अनीता ने कहा- वे एक साल में बहुत शांत रहने लगे थे। उन्हें जैसे मौत का आभास हो गया था। मैं उन्हें इस तरह देख नहीं सकती थी। वे दिन भर रोते रहते थे।

राजेश खन्ना की आखिरी इच्छा रही अधूरी

यूट्यूब चैनल अवंती फिल्म्स के इंटरव्यू में अनीता ने बताया कि राजेश खन्ना चाहते थे कि उनके घर आशीर्वाद को म्यूजियम में तब्दील कर दिया जाए, लेकिन मौत के बाद परिवार वालों ने उनकी इस आखिरी इच्छा को भी पूरा नहीं किया। अनीता ने कहा- उनके (राजेश खन्ना) पास घर को 150 करोड़ रुपए में बेचने का प्रस्ताव आया था। हालांकि, उन्होंने साफ इनकार कर दिया था। जब उनके घर को तोड़ा गया था, तो मुझे भी बहुत तकलीफ पहुंची थी।

राजेश खन्ना और डिंपल कपाड़िया ने 1973 में शादी की थी, लेकिन कुछ सालों बाद उनका रिश्ता टूट गया। हालांकि, उन्होंने कभी तलाक नहीं लिया। राजेश खन्ना के निधन के बाद एक्ट्रेस अनीता आडवाणी ने दावा किया था कि वे राजेश खन्ना के साथ रिश्ते में थीं। वहीं आखिरी कुछ सालों में वे ही राजेश खन्ना के सबसे ज्यादा करीब थीं। राजेश उन्हें पत्नी मनाते थे, वहीं वे काका की लंबी आयु के लिए व्रत भी रखती थीं।

अनीता ने कहा था- डिंपल से ज्यादा मुझे उनके बारे में पता था

2013 में रेडिफ के साथ एक इंटरव्यू में अनीता ने कहा था कि राजेश खन्ना की मौत से एक साल पहले पत्नी डिंपल कपाड़िया और बेटियां उनसे अक्सर मिलने आया करती थीं। अनीता ने कहा था- वे लोग कुछ ही घंटे वहां बिताती थीं। अगर मैं बाहर होती, तो वे लोग कॉल करके पूछते थे कि मैं घर कब वापस आऊंगी, ताकि वे लोग वापस जा सकें।

डिंपल को भी पता नहीं था कि राजेश जी को घर पर कौन-कौन देखने आता था। मैं उन्हें बताती थी। हम दोस्त के तरह थे। मुझे खुशी थी कि आखिरी समय में परिवार उनके साथ है। जब उनकी तबीयत खराब होने लगी थी, तब मैं बहुत डर गई थी।

RNI NO. RAJHIN/2013/52026
POSTAL REG NO. TONK/49/2022-24
दैनिक बढ़ता राजस्थान

किसानों ने टाला दिल्ली कूच

25 मार्च तक मोहलत, एमएसपी डेटा वेरिफिकेशन पर अटकी बात, पंधेर बोले- जबरन जमीन अधिग्रहण पर करेंगे आंदोलन

बढ़ता राजस्थान

अमृतसर। हरियाणा और पंजाब के किसानों ने दिल्ली कूच पर अपना फैसला टाल दिया गया है। किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने इस दौरान राज्य सरकार को चेतावनी दे दी है कि अगर किसानों की जमीनों पर जबरदस्ती कब्जे ना करें। उन्हें उचित मुआवजा दें। अभी हमारा ध्यान केंद्र की तरफ है। अगर किसी भी जिले में जबरदस्ती जमीन एक्वायर की तो पंजाब सरकार की नाक में दम कर देंगे। सरवन सिंह पंधेर ने सोमवार अमृतसर में मीडिया से बातचीत करते हुए राज्य सरकार को आज शुरू हुए सत्र को लंबा करने की मांग भी रखी। उन्होंने कहा कि सत्र को लंबा किया जाए और विदेश से लौटे युवाओं को गलत तरीकों से बाहर भेजने वाले एजेंटों के खिलाफ, नशे के खिलाफ और पंजाब के अन्य मुद्दों को लेकर चर्चा की जाए। इसके साथ ही सीएम भगवंत मान के समक्ष मांग रखी कि उनकी 12 मांगों को लेकर सत्र में मत पास किया जाए और उसे केंद्र को दिया जाए। इस दौरान मंडी प्राइवेटाइजेशन को लेकर जो केंद्र में बिल पास किया गया है, उसके खिलाफ भी मत पास कर केंद्र को भेजा जाए और मंडियों को प्राइवेट हाथों में जाने से रोका जाए।

जयपुर में सट्टा खिलाने वालों के पास करोड़ों की लग्जरी-गाड़ियां

कार का नंबर भी 0007; अमेरिका, यूएई और इंडोनेशिया के नोट मिले

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। जयपुर में सट्टा खिलाकर साइबर फ्रॉड करने वाले दो बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इन बदमाशों के पास से पुलिस को एक डिफेंडर गाड़ी, वोल्वो कार और स्कॉर्पियो मिली है। इनकी कीमत करोड़ों में है। इन कारों के नंबर भी वीवीआईपी 0007 और 7777 हैं। दोनों महादेव सट्टा लाइन से जुड़े कर लोगों के साथ ठगी का काम किया करते थे।

एडीजी क्राइम दिनेश एमएन ने बताया- एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स को सूचना मिली थी की नारायण विहार इलाके में एक फ्लैट पर ऑनलाइन सट्टे का काम चल रहा हैं। इस पर टीम ने फ्लैट पर दबिश दी। रेड के दौरान गेमिंग की आड़ में ऑनलाइन साइबर फ्रॉड करने वाले दो सटोरिए पुलिस टीम को मिले। यहां रॉबिन और रवि को गिरफ्तार कर मानसरोवर थाना पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया है। इन दोनों युवकों के पास से पुलिस को 10 मोबाइल फोन, दर्जनों सिम कार्ड, एटीएम कार्ड, 13 लाख रुपए विदेशी करेंसी (यूएस, यूएई एवं इंडोनेशिया), डेढ़ लाख रुपए की भारतीय करेंसी व इलेक्ट्रॉनिक उपकरण मिले। इस पर दोनों युवकों को गिरफ्तार किया।

कोलकाता में 3 लाश मिली, नसें कटीं, गर्दन पर घाव

पुलिस बोली- पतियों ने खबर दी, हमें इन्हीं पर शक; बचने के लिए अपना एक्सीडेंट करवाया

बढ़ता राजस्थान

कोलकाता। कोलकाता में 19 फरवरी को एक ही परिवार की 14 साल की लड़की और दो महिलाओं की लाश मिली। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में इनकी हत्या की साजिश की आशंका जताई गई है। रिपोर्ट में बताया गया कि दोनों महिलाओं की नसें कटी हुई थीं और गर्दन पर घाव के गहरे निशान थे। नाबालिग की मौत जहर खाने से हुई थी। तीनों की मौत पुलिस के लिए मिस्ट्री बनी हुई है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर पुलिस इसे हत्या का मामला बता रही है और उसी आधार पर जांच कर रही है।

तीन आपराधिक कानूनों के संबंध में उच्चस्तरीय बैठक

नए कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन में नहीं होगी संसाधनों की कमी : सीएम

आपराधिक गतिविधियों से अर्जित संपत्तियों के प्रकरणों में हो सख्त कार्रवाई

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में बेहतर कानून व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा नए कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन में आवश्यक संसाधनों की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी।

शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम के प्रदेश में क्रियान्वयन के संबंध में गृह विभाग की उच्चस्तरीय बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आमजन को सुरक्षा एवं त्वरित न्याय देना राज्य सरकार की प्रमुख प्राथमिकता है, जिसके क्रम में राज्य सरकार ने कई नीतिगत निर्णय लिए हैं। साथ ही, गृह विभाग को आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने के लिए राज्य बजट 2025-26 में कई प्रावधान भी किए गए हैं।

रिक्त पदों को शीघ्र भरने के निर्देश

शर्मा ने गृह विभाग में रिक्त पदों को शीघ्र भरने एवं पदोन्नति करने के निर्देश दिए ताकि पर्याप्त मानव संसाधन के नियोजन से प्रदेश के हर क्षेत्र में अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगे। उन्होंने कहा कि गृह विभाग आगामी वर्षों में रिक्त होने वाले पदों का भी पूर्ण विवरण तैयार करे ताकि कार्मिक के सेवानिवृत्त होते ही तुरंत भर्ती प्रक्रिया शुरू की जा सके। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि गृह विभाग से जुड़े शत प्रतिशत कार्मिकों को नए कानूनों के बारे में प्रशिक्षण देना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि आपराधिक गतिविधियों से संपत्तियां अर्जित करने वाले अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई करते हुए उनकी संपत्तियां जब्त की जाए जिससे उनके हौंसले पस्त हों।

उन्होंने प्रत्येक गिरफ्तार व्यक्ति के फिंगरप्रिंट लेने एवं ई-सम्मन की प्रभावी तामील कराने के निर्देश दिए ताकि अपराधियों पर सतत् निगरानी के साथ प्रभावी नियंत्रण भी रहे। उन्होंने कहा कि पहली बार अपराध करने वाले को नवीन कानूनों में एक तिहाई सजा पूर्ण होने पर रिहा करने का प्रावधान है। ऐसे मामलों में संवेदनशीलता रखते हुए शीघ्र निर्णय लिया जाए। बैठक में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि गत दिनों केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह एवं केन्द्रीय गृह सचिव द्वारा ली गई बैठकों में दिए गए निर्देशों के अनुसार नए कानूनों के क्रियान्वयन की कार्यवाही की जा रही है। पुलिस के कुल 84 प्रतिशत से अधिक कार्मिकों को नवीन कानूनों का प्रशिक्षण दिया जा चुका है तथा 98 .5 प्रतिशत जांच अधिकारी भी प्रशिक्षण ले चुके हैं। नए कानूनों के तहत प्रदेश में अब तक 1 लाख 12 हजार से अधिक एफआईआर दर्ज हुई हैं, जिनमें से 75 हजार से अधिक का निस्तारण भी किया जा चुका है। इस दौरान विधि विज्ञान प्रयोगशाला के सुदृढ़ीकरण, जीरो एफआईआर, ई-साक्ष्य जैसे विषयों पर भी गहन चर्चा की गई।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट : मोदी बोले- 10वीं-12वीं की परीक्षा, इसलिए लेट आया

एमपी ईवी क्रांति में लीडिंग स्टेट; निवेश का यही समय, सही समय

बढ़ता राजस्थान

भोपाल (एजेंसी)। भोपाल में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट को संबोधित करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि दुनिया को भारत से बहुत सारी उम्मीदें हैं। वे चाहे सामान्य जन हों, नीतिगत जानकार हों, देश हों या फिर संस्थान हों। पिछले कुछ हफ्तों में जो कमेंट आए हैं वो भारत के हर निवेशक का उत्साह बढ़ाने वाले हैं।

विश्व बैंक ने कहा है भारत आने वाले सालों में ऐसे ही दुनिया की फास्टेस्ट ग्रोइंग इकॉनॉमी बना रहेगा। मोदी ने कहा कि यूएन की एक संस्था ने भारत को सोलर पावर की सुपर पावर कहा था। यह भी कहा, जहां कई देश सिर्फ बातें करते हैं, वहीं भारत नतीजे लाकर दिखाता है।

पीएम मोदी ने एमपी को लेकर कहा कि जहां कभी खराब सड़कों के कारण बसें तक नहीं चल पाती थीं वो एमपी आज देश की ईवी क्रांति के लीडिंग स्टेट में से एक है। जनवरी 2025 तक करीब दो लाख ईवी एमपी में रजिस्टर्ड हुए। ये करीब 90 फीसदी ग्रोथ है। पीएम मोदी ने इससे पहले समिट की शुरुआत करते हुए कहा कि 10वीं-12वीं की परीक्षा के कारण यहां आने में देरी हुई, इसके लिए क्षमा चाहता हूं। बच्चों की सुविधा को देखते हुए मैंने अपना कार्यक्रम बदला।

मोदी बोले- समिट में देरी से आने के लिए माफी

पीएम नरेंद्र मोदी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा- सबसे पहले तो मुझे यहां आने में विलंब हुआ, इसके लिए आप सबसे क्षमा चाहता हूं। विलंब इसलिए हुआ कि कल जब मैं यहां पहुंचा तो एक बात ध्यान में आई कि आज 10वीं और 12वीं के छात्रों का एग्जाम है। मेरा राजभवन से निकलने का समय क्लैश हो रहा था।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा-

इसके कारण संभावना थी कि सिक्योरिटी के कारण रास्ते बंद होने से बच्चों को एग्जाम देने के लिए जाने में कठिनाई हो जाएगी। ये कठिनाई न हो, बच्चे सब एक बार अपने एग्जाम सेंटर पर पहुंच जाएं, उसके बाद ही मैं राजभवन से निकलूं। इसलिए मैंने राजभवन से निकलने में लेट कर दिया।

मिडिल क्लास को सशक्त करने के कदम उठाए

समिट को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि चुनाव के समय मैंने कहा था कि अपने तीसरे टर्म में हम तीन गुना तेजी से काम करेंगे। ये आप साल 2025 के पहले 50 दिनों में देख रहे हैं। इसी महीने हमारा बजट आया है।

जालंधर में गोल्डी बराड़ का साथी गिरफ्तार

15 केसों में है वांटेड; आतंकी लांडा के सदस्यों पर हमले की थी प्लानिंग, 12 कारतूस बरामद

बढ़ता राजस्थान

जालंधर (एजेंसी)। जालंधर में सिटी पुलिस टीम ने 4 अवैध हथियारों के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सुखवंत सिंह पुत्र रेशम सिंह निवासी धीरपुर के रूप में हुई है। उसके खिलाफ थाना डिवीजन नंबर 1 में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपी के पास से .32 बोर के 4 अवैध हथियार और 12 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस उससे उसके साथियों के बारे में पूछताछ करेगी। आज आरोपी को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा।

गोल्डी के करीबी था आरोपी-ये कार्रवाई जालंधर सिटी पुलिस की सीआईए स्टाफ की टीम द्वारा की गई है। सीआईए स्टाफ के इंचार्ज सुरिंदर सिंह कंबोज की टीम के पास एक केस में आरोपी सुखवंत सिंह वांटेड था।

राज्य स्तरीय किसान सम्मान समारोह

किसान कल्याण हमारी प्राथमिकता, विकसित भारत के निर्माण में कृषकों का उत्थान महत्वपूर्ण : पीएम मोदी

पूरे देश को मोदी की गारंटी पर भरोसा, किसानों के सशक्तीकरण के लिए बजट में की अहम घोषणाएं -मुख्यमंत्री शर्मा

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि किसान कल्याण केन्द्र सरकार की प्राथमिकता है। किसानों को अच्छा बीज, सस्ती एवं पर्याप्त खाद, सिंचाई की सुविधा, पशुओं को बीमारी में रखरखाव, आपदा के समय नुकसान से सुरक्षा के लिए तथा किसानों की आय बढ़ाने के लिए केन्द्र सरकार हर स्तर पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि हम विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने के लिए गरीब, अन्नदाता किसान, युवा शक्ति तथा महिलाओं के कल्याण के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी सोमवार को बिहार के भागलपुर से किसान सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान प्रधानमंत्री ने बटन दबाकर प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत देशभर में 9 करोड़ 80 लाख किसानों को 22 हजार करोड़ रुपये की राशि हस्तांतरित की। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि पीएम किसान सम्मान निधि योजना 6 वर्ष पहले शुरू की गई थी। अब तक 3 लाख 70 हजार करोड़ रुपये सीधे किसानों के खातों में पहुंच चुके हैं।

भारत में बढ़ा कृषि निर्यात, किसानों को उपज की मिल रही अधिक कीमत

प्रधानमंत्री ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा मछली पालकों के लिए भी पहली बार किसान क्रेडिट कार्ड की सुविधा शुरू की गई है। भारत में कृषि निर्यात बढ़ा है और किसानों को उनकी उपज की अधिक कीमत मिलने लगी है। किसानों द्वारा बने उत्पाद दुनियाभर तक पहुंचे, इसके लिए सरकार नए-नए कदम उठा रही है। केन्द्रीय बजट में भी इसी विजन को आगे बढ़ाया गया है। इस वर्ष के बजट में पीएम धन-धान्य योजना की शुरूआत की गई है। इसके तहत 100 कम फसल उत्पादन वाले जिलों में विशेष अभियान चलाया जाएगा जिससे वहां कृषि उत्पादन को बढ़ावा मिले। मोदी ने खुशी जताई कि केन्द्र सरकार द्वारा 10 हजार किसान उत्पादन संघ (एफपीओ) के लक्ष्य को प्राप्त किया जा चुका है जिसमें 40 प्रतिशत महिलाएं हैं।

किसानों के कल्याण में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे-मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जयपुर के राज्य कृषि प्रबंधन संस्थान में आयोजित राज्य स्तरीय किसान सम्मान समारोह से वीसी के माध्यम से राष्ट्र स्तरीय कार्यक्रम से जुड़े। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हमारी सरकार किसानों-पशुपालकों के कल्याण के लिए समर्पित होकर कार्य कर रही है। अन्नदाता की सेवा, उन्नति और खुशहाली को एकमात्र ध्येय मानकर राज्य सरकार ने नीतिगत निर्णय लिए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के किसान कल्याण और उत्थान के संकल्प को पूरा करने में हम कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे। शर्मा ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत लाभान्वित किसानों को बधाई देते हुए कहा कि योजना के तहत आज प्रदेश के 72 लाख से अधिक किसानों के खातों में 1 हजार 400 करोड़ रुपये से अधिक की राशि 19वीं किस्त के रूप में हस्तांतरित की गई है। उन्होंने कहा कि आज का यह समारोह प्रधानमंत्री के किसानों को खुशहाल बनाने के संकल्प और समर्पण की एक मिसाल है। देश को प्रधानमंत्री की गारंटी पर पूरा भरोसा है।

शर्मा ने कहा कि बजट में किसानों के लिए अनेक प्रावधान किए गए हैं ताकि किसानों की समृद्धि की राह खुल सके। बजट में करीब 34 हजार सौर संयंत्रों की स्थापना के लिए वित्तीय सहायता, ड्रिप एवं फव्वारा सिंचाई के लिए अनुदान के प्रावधान, आगामी वित्त वर्ष में 25 हजार फार्म पौंड, 10 हजार डिग्गी, 50 हजार सौर पंप संयंत्र तथा 20 हजार किलोमीटर सिंचाई पाइप लाइन के लिए 900 करोड़ रुपये के अनुदान के प्रावधान किए गए हैं। इन योजनाओं से प्रदेश के 4 लाख किसान लाभान्वित होंगे।

बढ़ता राजस्थान प्रिंटिंग प्रेस
दैनिक, साप्ताहिक, पाक्षिक, मासिक समाचार पत्र मुद्रण के लिए संपर्क करें।

उच्च क्वालिटी का कागज एवं स्याही
कलर एवं ब्लैक मुद्रण
किफायती मुद्रण लागत
Printing Press
• Hameedpura Road Khandwa, Newai, Tonk, Rajasthan - 304021
Office
• Badhata Rajasthan, Near Rajkiya Mahavidhyalaya, NH-12, Bypass Newai, Tonk, Rajasthan - 304021
(M) +91-9214048888, Phone No. - 01438-223201, 02, 03
• 185/116, "Pratiksha", Sector-18, Pratap Nagar, Sanganer, Jaipur - 302033
(M) +91-9414242258, Phone No. - 0141-2796795
Email: badhatarajasthanprintingpress@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती कमलेश विजयवर्गीय द्वारा बढ़ता राजस्थान प्रिंटिंग प्रेस,हमीदपुरा रोड खण्डवा,निवाई टोंक (राज.) से मुद्रित एवं राजकीय महाविद्यालय के पास एन एच-12,बाईपास निवाई टोंक (राज.) से प्रकाशित, संपादक-तनुजा पठान*।
प्रधान संपादक-राम बिलास विजयवर्गीय मो.नं. 9414242258, 9214048888 टोंक कार्यालय मो.नं. 9414823448 प्रधान कार्यालय :185/ 116 "प्रतीक्षा" सेक्टर-18, प्रताप नगर सांगानेर, जयपुर (राज.) फोन नं.0141-2796794,2796795,
E-Mail-badhatarajasthan@yahoo.com, *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर महानगर होगा)